पटना ●सोमवार, 02 सितम्बर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः233 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

केंद्रीय विश्वविद्यालय के चाणक्य... 3 www. bordernewsmirror.com महिला प्रधान फिल्में दिल.. 8

चिराग की 'लौ' पर भाजपा का 'पारस' पड़ा भारी

● एलजेपी-आर में टूट की आशंका से सहमे चिराग पासवान

पटना (एजेंसी)। लगता है चिराग पासवान के होश ठिकाने आ गए हैं। भाजपा ने पेंच की एक ही चूड़ी कसी और वे जमीन पर आ गए। हाल के दिनों में अपने को नरेंद्र मोदी का हनुमान बताने वाले चिराग पासवान ने उनके ही फैसलों की जिस तरह मुखालफत शुरू की थी, उससे लगता था

कि भाजपा ने भस्मासुर पाल लिया है। एक के बाद एक वे मोदी सरकार के फैसलों का विरोध करते रहे। सामान्य समझ भी नहीं रही कि वे मोदी मंत्रिमंडल के ही सदस्य हैं। ऐसे में सरकार का हर फैसला मंत्रियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। वे ऐसा करने लगे, जैसा उनके पिता ने गोधरा कांड के बाद मंत्रिमंडल से इस्तीफा देकर किया था। हालांकि वैसी हिम्मत चिराग न दिखा सके। वे तो पानी में रह कर ही मगरमच्छ से टकराना चाहते थे। इसके जरिए वे अपनी अलग पोलिटिकल आइडेंटिटी बनाना चाहते होंगे पर, भाजपा ने पेंच कस दिया।

सीएम के बयान के बाद मणिपुर में फिर बढ़ा तनाव

● ऑडियो पर भड़के कुकी संगठन, बीजेपी नेता का घर फूंका

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में एक बार फिर तनाव बढ़ता हुआ नजर आ रहा है। कुकी समुदाय ने शनिवार को आदिवासी बहुल इलाकों में तीन रैलियां निकालीं। इन रैलियों में लोग अलग प्रशासन की मांग पर अड़े हुए ते। वहीं लोगों ने मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के कथित ऑडियो क्लिप के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें कुछ आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई हैं। उन्होंने

चुराचांदपुर जिले के लेइशांग, कांगपोकपी के केइथेलमन्बी और तेंग्नौपाल के मोरेह में रैलियां निकालीं। चुराचांदपुर में रैली लेइशांग के एंग्लो कुकी वॉर गेट से शुरू हुई और में समाप्त हुई। कुकी-जो समुदाय के छात्रों द्वारा आयोजित रैली के मद्देनजर जिले में सभी बाजार और स्कूल बंद रहे।

हमास दुष्ट है लेकिन युद्धविराम का समय आ गया

● गाजा की सुरंगों में शवों का ढेर मिलने पर बाइडेन भी क्रोधित

वाशिंगटन (एजेंसी)। गाजा में युद्धविराम और 6 लाख से ज्यादा बच्चों के लिए पोलियों अभियान के बीच सुरंगों से 6 शव बरामद हुए हैं। इजरायल ने पुष्टि कर दी है कि ये सभी शव हमास द्वारा बनाए गए इजरायली बंधक थे। इनमें एक अमेरिकी बंधक का शव भी शामिल है। इस घटना को अमेरिकी

राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि वह गाजा पट्टी से छह बंधकों के शवों की बरामदगी से काफी गुस्से में हैं लेकिन, अब युद्धविराम का समय आ गया है और वह इसके लिए 24 घंटे काम करेंगे। इस घटनाक्रम को दुखद और निंदनीय बताते हुए बाइडेन ने चेतावनी भी दी कि हमास के नेताओं को इन अपराधों की कीमत चुकानी पड़ेगी।

एलएसी पर अब नहीं चल पाएगी चीन की कोई भी चाल

लेह जाने के लिए तीसरा रास्ता बना रहा भारत, बर्फ का भी नहीं होगा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सीमा पर एकसाथ चीन और पाकिस्तान के घुसपैठ की कोशिशों को सामना कर रहा है। इसके लिए बुनियादी ढांचों को दुरुस्त करने का काम युद्ध स्तर पर जारी है। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) अगले कुछ हफ्तों में चीन के साथ सीमा पर विशिष्ट बुनियादी ढांचे का काम पूरा कर लेगा। इसमें लेह के लिए वैकल्पिक मार्ग पर सड़क पैच शामिल है जो हर मौसम में संपर्कसुनिश्चित करने में मददगार साबित होगी। इसके अलावा, केंद्रीय रक्षा मंत्रालय ने भारत-चीन सीमा सड़क कार्यक्रम के तहत आने वाली दूसरी परियोजनाओं को भी प्राथमिकता दी है। इसी के तहत उत्तराखंड में मानसरोवर यात्रा मार्ग पर लिपुलेख दर्रे तक संपर्क स्थापित किया है। द इंडियन एक्सप्रेस ने अपनी एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी है। वर्तमान में लेह तक पहुंचने के लिए तीन मार्ग हैं। पहला जम्मू और कश्मीर में श्रीनगर-जोजिला-कारगिल के माध्यम से है। दूसरा हिमाचल प्रदेश में मनाली-रोहतांग के माध्यम से है। यह सड़क दारचा नामक स्थान पर अलग होती है। यहां से एक मार्ग पदम और निमू के माध्यम से लेह से जुड़ता है। दूसरा हिमाचल प्रदेश में बारालाचा ला और लद्दाख में तंगलांग ला के पहाड़ी दर्रे से होकर कारू के माध्यम से लेह से जुड़ता है। वर्तमान में लेह के लिए इन दोनों मार्गों में हर मौसम में संपर्क नहीं है। श्रीनगर-लेह और बारालाचा ला-कारू-लेह लेह पहुंचने के पुराने पारंपरिक मार्ग हैं। परियोजनाओं से परिचित वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि नीमू-पदम-दारचा सड़क के 4 किलोमीटर लंबे कटे हुए हिस्से को जोड़ना और मनाली-दारचा-पदम-नीमू अक्ष पर 4.1 किलोमीटर लंबी ट्विन ट्यूब शिंकू ला सुरंग का निर्माण कार्य शुरू करना बीआरओ की तत्काल कार्य सूची में शामिल है। नीमू-पदम-दारचा सड़क के 4 किलोमीटर लंबे कटे हुए हिस्से को जोड़ने का काम पूरा होने के कगार पर है। इस दौरान 15800 फीट की ऊंचाई पर दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग भी बनाई जाएगी। 1,681 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इस सुरंग से मनाली और लेह के बीच की दूरी 60 किलोमीटर कम हो जाएगी। यह निमू-पदम-दारचा सड़क के 4 किलोमीटर लंबे कटे हुए हिस्से से कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगी।

भारी बारिश से आंध्र-तेलंगाना के हाल बेहाल

भारी तबाही,24 घंटे में 8 लोगों की मौत, तेलंगाना में रेल पटरी बही

हैदराबाद (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश में शनिवार को भारी बारिश खी वजह से आठ लोगों की मौत हो गई, जिनमें से पांच लोगों की मौत विजयवाड़ा में भूस्खलन के कारण हुई। वहीं पड़ोसी राज्य तेलंगाना में भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

बंगाल की खाड़ी में कम दबाल के क्षेत्र की वजह से दोनों राज्यों में भारी बारिश का अनुमान है। विजयवाड़ा के नगर आयुक्त एचएम ध्यानचंद्र ने बताया कि मोगलराजपुरम में भूस्खलन के कारण पांच लोगों की मौत हो गई। ध्यानचंद्र ने बताया 'भूस्खलन के कारण पांच लोगों की मौत हुई है। यह संख्या और भी बढ़ सकती है।' उन्होंने कहा कि रविवार सुबह मलबा हटाने का काम फिर से शुरू किया जाएगा। नगर आयुक्त के अनुसार, भारी बारिश के कारण मोगलराजपुरम में एक स्थान पर भूस्खलन हुआ और दो घरों पर चट्टानें गिर गईं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भूस्खलन पीड़ितों के परिजन को पांच-पांच लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को भूस्खलन की आशंका वाले स्थानों से लोगों को दूर भेजने का निर्देश दिया क्योंकि अगले दो-तीन दिनों में भारी बारिश होने का अनुमान है। गुंटूर जिले के पेदाकाकानी गांव में, उफनती जलधारा को पार करते समय एक कार के बह जाने के कारण उसमें सवार एक शिक्षक और दो छात्रों की मौत हो गई, जो अपने घर लौट रहे थे।

रेल मंत्री ने दिखाया वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का मॉडल

3 नई वंदे भारत के बाद मिलेगी एक और सौगात

बेंगलुरु (एजेंसी)। तीन नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सौगात मिलने के बाद भारतीय रेलवे से जल्द ही एक और खुशखबरी मिलेगी। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बेंगलुरु स्थित बीईएमएल के कारखाने का रविवार को दौरा किया। यहां उन्होंने वंदे भारत एक्सप्रेस के स्लीपर कोच के कॉपी वर्जन का अनावरण किया। वैष्णव ने बताया कि कोच को ऑपरेट करने से पहले 10 दिन तक उसका टेस्ट किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगले तीन महीनों में ट्रेन का परिचालन शुरू होने की संभावना है। मंत्री ने भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड परिसर में वंदे भारत विनिर्माण प्रतिष्ठान की आधारशिला भी रखी। केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के पहले मॉडल की झलक दिखाई। वे बेंगलुरु में भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड की फैक्ट्री में ट्रेन का निरीक्षण करने पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि अगले 3 महीने यानी दिसंबर तक वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

● 3 महीने में लॉन्च होगी पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

शुरू हो जाएगी। कोच की मैन्युफैक्चरिंग का काम पूरा हो गया है। कुछ दिनों में यह फैक्ट्री से बाहर आ जाएगी। अगले 2 महीने ट्रेन की टेस्टिंग चलेगी। इसके बाद यात्रियों के लिए ट्रेन की लॉन्चिंग होगी। रेल मंत्री ने कहा कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को 800 से 1200 किमी दूरी की यात्रा के लिए तैयार किया गया है। इसमें यात्री करीब रात 10 बजे चढ़ेंगे और सुबह डेस्टिनेशन पर पहुंच जाएंगे। यह ट्रेन मिडिल क्लास के लिए बनाई गई है। इसका किराया राजधानी के जितना ही होगा।

शिवाजी की मूर्ति गिरने के खिलाफ महाराष्ट्र में संग्राम

एमवीए का प्रदर्शन, उद्धव ने शिंदे-फडणवीस की फोटो पर चप्पल मारी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के कोल्हापुर में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति गिरने के विरोध में रविवार को महाविकास अघाड़ी (एमवीए) मुंबई में प्रदर्शन कर रही है। इसे जोड़े मारो (जूता मारो) आंदोलन नाम दिया गया है। एमवीए ने साउथ मुंबई के हुतात्मा चौक से गेटवे ऑफ

● नाना पटोले-शरद पवार भी उतरे, सीएम बोले-जनता इन्हें जूतों से पीटेगी

इंडिया तक पैदल मार्च निकाला। इसमें उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे, शरद पवार, सुप्रिया सुले, नाना पटोले समेत एमवीए की तीनों पार्टियों के बड़े नेता शामिल हुए। इस दौरान उद्धव ने सीएम शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के पोस्टर पर चप्पल मारी। उन्होंने कहा- मोदी की माफी अहंकार से भरी थी। वहीं, शरद पवार ने कहा- मूर्ति गिरना भ्रष्टाचार का उदाहरण है। इधर, सीएम शिंदे

ने कहा- विपक्ष मामले पर राजनीति कर रहा है। जनता सब देख रही है। आने वाले चुनाव में महाराष्ट्र की जनता इन्हें जूतों से पीटेगी। भाजपा ने भी विपक्ष के प्रदर्शन के खिलाफ मुंबई में प्रोटेस्ट किया है। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में किले में स्थापित छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा टूटने का मामला तूल पकड़ता ही जा रहा है। इस मामले में प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तक ने माफी मांग ली है। पीएम मोदी के माफी मांगने के बाद मामला शांत होने की बजाय और गरम हो गया। महाराष्ट्र की सरकार ने जांच के लिए एसआईटी गठित की है तो इंडिया गठबंधन ने इस मामले को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। महाविकास अघाड़ी ने मेगा मुंबई प्रोटेस्ट का ऐलान कर दिया है। वहीं प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है।

कांग्रेस की महाराष्ट्र यूनिट ने कहा है कि शिवद्रोहियों को सबक सिखाने के लिए इस मार्च का आयोजन किया जा रहा है। बता दें कि 35 फीट ऊंची जो प्रतिमा गिर गई है उसका अनावरण पिछले साल पीएम मोदी ने ही किया था। सरकार के साथ नौसेना ने यह प्रोजेक्ट पूरा किया था। पुलिस ने संरचना सलाहकार को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया है। उस पर दूसरों की सुरक्षा को खतरे में डालने का केस दर्ज किया गया है। बीजेपी का कहना है कि विपक्ष इस मामले में फालतू की राजनीति करके लोगों को बरगलाने की कोशिश कर रहा है। आने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर ही विपक्ष मामले को तूल दे रहा है। बीजेपी ने कहा कि शिवाजी के प्रति विपक्ष जो प्रेम दिखा रहा है वह दिखावा भर है।

नौसेना की बढ़ी ताकत तो चीन-पाक के भी बदले सुर!

रक्षा मंत्री बहुत तगड़ा है...

● अचानक करने लगे तारीफ, एक्सपर्ट्स ने भी माना भारत का लोहा

इस्लामाबाद/ बीजिंग (एजेंसी)। दुनियाभर में आतंकवाद फैलाने में माहिर पाकिस्तान और दूसरे देशों की जमीन कब्जाने वाले चीन जैसे पड़ोसियों से घिरे भारत की ताकत में और इजाफा हो गया है। हाल ही में परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम बैलिस्टिक मिसाइलों से लैस आईएनएस अरिघात पनडुब्बी नौसेना में शामिल हो गई। इससे देश की परमाणु क्षमता को और मजबूती मिलने वाली है। आईएनएस अरिघात के शामिल होने को लेकर पाकिस्तानी और चीनी एक्सपर्ट्स की प्रतिक्रिया सामने आई है। दोनों देशों के डिफेंस एक्सपर्ट्स ने भारत की ताकत का लोहा माना है। साथ ही, पाकिस्तानी एक्सपर्ट ने तो भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की

प्रशंसा की है। पाकिस्तानी डिफेंस एक्सपर्ट कमर चीमा ने अपने यूट्यूब चैनल पर आईएनएस अरिघात पर बात की है।

सबमरीन के शामिल होने पर चीनी एक्सपर्ट भी मुरीद

चीन सरकार के भोंपू माने जाने वाले ग्लोबल टाइम्स पर भी आईएनएस अरिघात को लेकर एक आर्टिकल लिखा गया है। इसमें एक्सपर्ट ने शीर्षक दिया है कि भारत को दूसरी न्यूक्लियर मिसाइल सबमरीन को जिम्मेदारी से इस्तेमाल करना चाहिए। इसी हेडिंग से साफ है कि अरिघात से चीन भी कितना घबराया हुआ है। ग्लोबल टाइम्स के डिफेंस पत्रकार लियू जुआनजुन का कहना है कि बीजिंग स्थित एक सैन्य विशेषज्ञ ने नाम न बताने की शर्त पर ग्लोबल टाइम्स को बताया कि अधिक परमाणु ऊर्जा वाली बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियों के साथ, भारत की परमाणु प्रतिरोधक शक्ति में वृद्धि हुई है, लेकिन इसके साथ ही इसका इस्तेमाल करने की जिम्मेदारी भी आनी चाहिए। एक्सपर्ट ने कहा कि जब तक परमाणु हथियार मौजूद हैं, उनका उपयोग शांति और स्थिरता की रक्षा के लिए किया जाना चाहिए।

कोलकाता कांड के बाद अब नार्थ 24 परगना में बवाल

● नाबालिग के यौन उत्पीड़न के बाद संग्राम, सड़क पर उतरे लोग

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में अभी कोलकाता के सरकारी आरजी कर हास्पिटल में लेडी डॉक्टर के बलात्कार और हत्या की घटना पर बवाल थमा नहीं है। इस बीच राज्य के उत्तर 24 परगना जिले में नया मामला सामने आ गया। वहां की एक नाबालिग लड़की के यौन शोषण के खिलाफ प्रदर्शन कर रही भीड़ ने कथित आरोपी के घर और उसके रिश्तेदार की दुकान में तोड़फोड़ कर दी। स्थानीय तृणमूल कांग्रेस नेता ने कथित तौर पर पीड़ित परिवार से मामला सुलझाने के लिए कहा तो भीड़ का गुस्सा बढ़ गया। पीड़िता के पिता ने कहा, आरोपी हमारे गांव का रहने वाला है।

चंद्रग्रहण, सुपर हार्वेस्ट मून

● सितम्बर में होंगी आसमान में अनोखी खगोलीय घटनाएं

● न्यू मून से होने जा रही है महीने की शुरुआत, आंशिक चंद्रग्रहण और शनि का दिलचस्प नजारा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। खगोलीय घटनाओं और सितारों में दिलचस्पी रखने वालों के लिए सितम्बर का महीने बेहद ही खास होने जा रहा है। इस महीने खगोलविद एक दो नहीं, बल्कि कई न भूलने वाली खगोलीय घटनाओं को होता हुआ देखेंगे।

आंशिक चंद्रग्रहण से लेकर सुपर हार्वेस्ट मून तक, सितम्बर की रात में आश्चर्यजनक नजारे देखने को मिलेंगे। यहां उन प्रमुख खगोलीय घटनाओं के बारे में जानते हैं, जिन्हें आप इस महीने देखने से चूकना नहीं चाहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

बिहार सर्किल में एसबीआई के बाद आईपीपीबी के सर्वाधिक ग्राहक

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के सातवें स्थापना दिवस पर प्रधान डाकघर परिसर में शनिवार को कार्यक्रम हुआ। मौके पर आईपीपीबी के उत्तर क्षेत्रीय प्रमुख अभिषेक कुमार चौधरी ने बैंक की उपलब्धियों को बताया। कहा कि बेहतर सेवा के कारण बिहार सर्किल में स्टेट बैंक के बाद उनके पास सर्वाधिक ग्राहक हैं। डाक विभाग से मिले समर्थन के साथ इस बैंक के 1.4 करोड़ संतुष्ट ग्राहक हैं। वहीं, प्रवर डाकपाल गिरीश कुमार दास ने आईपीपीबी द्वारा डीबीटी और आधार के जरिए ग्रामीण तबके को दी जाने वाली मदद के बारे में जानकारी दी। जबकि मुजफ्फरपुर शाखा के वरिष्ठ प्रबंधक सुशील कुमार ने भी बैंक की योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। मौके पर पंकज कुमार (वरिष्ठ प्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय), विपुल कुमार (प्रबंधक, शाखा), चंदन कुमार (सहायक प्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय), अजीत कुमार, रौशन कुमार, विवेक कुमार और अन्य उपस्थित थे।

अशोक चौधरी को मंत्री पद व पार्टी से हटाना चाहिए

गया, एजेंसी। जदयू के वरिष्ठ नेता सूबे के मंत्री अशोक चौधरी ने जहानाबाद में एक खास जाति के खिलाफ आपत्तिजनक बयान दिया है। इसकी हर ओर निंदा हो रही है। मुख्यमंत्री को अशोक कुमार को मंत्री पद से हटाने के साथ ही पार्टी की सदस्यता भी खत्म कर देनी चाहिए। ये बातें शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस में लोकप्रिय समता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वसीम नैयर अंसारी ने कही। अशोक चौधरी जी पढ़े लिखे इंसान हैं, इस तरह का टिप्पणी करना उनपर शोभा नही देता है। इस बयान के लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए। पार्टी के राष्ट्रीय संगठन प्रभारी सह प्रदेश अध्यक्ष, विहार धीरू शर्मा ने कहा कि भूमिहार समाज से आते हैं, समाज के सम्मान के साथ खिलवाड़ करने का किसी को अधिकार नहीं है। जदयू पार्टी में हजारों की संख्या में भूमिहार हैं। इस तरह के आपत्तिजनक टिप्पणी से पार्टी को भी नुकसान पहुंचेगा।

एमएलसी ने की 50 लाख रुपये अनुदान देने की घोषणा

दरभंगा, एजेंसी। बिहार विधान परिषद के सदस्य सर्वेश कुमार ने लनामिवि के पीजी राजनीति विज्ञान विभाग में स्थापित भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर व भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर चेयर के लिए 50 लाख रुपए का अनुदान देने की घोषणा की है। इससे पहले उन्होंने डॉ. नागेंद्र झा स्टेडियम के पुनरुद्धार के लिए एक करोड़ रुपए का अनुदान देने की घोषणा की थी। ये घोषणाएं उन्होंने राष्ट्रीय खेल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में की। इन कार्यक्रम में वे बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए थे। इन घोषणाओं के लिए कुलपति प्रो. एसके चौधरी की भी सराहना हो रही है। पीजी राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. मुनेश्वर यादव के विशेष आग्रह और विभाग में शोध की गुणवत्ता एवं अध्ययन गतिविधियों के मद्देनजर श्री कुमार ने यह घोषणा की। इस घोषणा से विभाग में उल्लास का माहौल है। इस सहायता राशि से उक्त चेयर से संबंधित अध्ययन, संगोष्ठी, कार्यशाला, गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान, सामाजिक-राजनीतिक प्रतिवेदन, पुस्तक प्रकाशन तथा अन्य क्रिया-कलापों को बल मिलेगा।

सीएम से मिले सम्राट चौधरी, शाहनवाज हुसैन, विजय चौधरी

पटना, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, मंत्री विजय कुमार सिन्हा और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने शनिवार को उनके आवास पर मुलाकात की। 45 मिनट की मुलाकात के दौरान सभी नेताओं ने केंद्र की योजना, बिहार के विकास की चर्चा की। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए शानदार जीत हासिल करेगा। नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार का तेज गति से विकास हो रहा है। बिहार में रेल, सड़क, पुल, हवाई उड़ान, उद्योग क्षेत्र, स्वास्थ्य, मेडिकल कॉलेज, कृषि एवं अन्य सभी क्षेत्रों के विकास के लिए केंद्र सरकार लगातार सहयोग दे रही है।

भाजपा का सदस्यता अभियान 54 दिन चलेगा
तीन सितंबर से शुरु आत

मंत्री, सांसद, विधायक, एमएलसी क्षेत्र में 11 से 17 तक प्रवास करेंगे

पटना, एजेंसी। बिहार में भाजपा का सदस्यता अभियान 3 सितंबर से शुरू होगा। हर दिन 2 लाख से अधिक सदस्य बनाने का लक्ष्य तय किया गया है। 54 दिनों तक चलने वाले सदस्यता अभियान में भाजपा 1 करोड़ से अधिक सदस्य बनाने की कोशिश करेगी। इसमें संसद से लेकर बूथ स्तर तक के नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है। हर बूथ अध्यक्ष को 200 सदस्य बनाने होंगे। सदस्यता अभियान के तहत केंद्रीय मंत्री, राज्य के मंत्री, सांसद, विधायक, एमएलसी क्षेत्र में 11 से 17 सितंबर तक प्रवास करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि सदस्यता अभियान से लोगों को जोड़ने के लिए चरणबद्ध तरीके से काम किया जाएगा। इसके लिए जरूरी निर्देश नेताओं को दिए गए हैं। 3 चरण में चलेगा अभियान भाजपा सदस्यता अभियान विधानसभा स्तर से चला रही है। बिहार को 243 हिस्सों में बांटा गया है। इसकी जिम्मेदारी विधानसभा स्तर के नेताओं को दी गई है। साथ ही 38 जिलों और 9 प्रमंडलों में विभाजित करके सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। सदस्यता अभियान 3 चरण में चलेगा। पहला चरण 3 से 25 सितंबर तक चलेगा। इसमें सामान्य सदस्य बनाए जाएंगे। इसमें हर वर्ग, हर क्षेत्र, हर समुदाय के लोगों को सदस्य बनाया जाएगा। अभियान के जरिए पार्टी शिक्षक, व्यापारी, चिकित्सक, अधिवक्ता, साहित्यकार, चित्रकार, सीए, कलाकार, खिलाड़ी, पूर्व सैनिक सहित समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचेगी। दूसरा चरण 1 से 16 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें सक्रिय सदस्य बनाए जाएंगे।

अंतिम चरण 16 से 31 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें सदस्यता अभियान की समीक्षा के साथ ही ऐसे लोगों को सदस्य बनाया जाएगा, जिनके पास मोबाइल नहीं है। संगठन के पदाधिकारियों को कैंप लगा करके सदस्य बनाना है। इस दौरान विभिन्न मोर्चा के कार्यकर्ता अपने विभाग एवं प्रकोष्ठ को लोगों को सदस्य बनाएंगे।

हर रविवार अटल दिवस

पार्टी में पदाधिकारी बनने के लिए सक्रिय सदस्य बनना अनिवार्य है। जबकि सक्रिय सदस्य बनने के लिए 100 लोगों को भाजपा की सदस्यता दिलानी होगी। पहले चरण में 4 सितंबर से बिहार के 9 प्रमंडलों में केंद्रीय मंत्री व वरिष्ठ नेता सदस्यता अभियान शुरू करेंगे। 5 सितंबर को सभी जिला मुख्यालयों पर अभियान शुरू होगा। लोगों को जोड़ने के लिए हर रविवार को अटल दिवस मनाया जाएगा।

बिहार में 1 करोड़ से ज्यादा सदस्य बनाने का लक्ष्य है : जीवेश मिश्रा

पटना बिहार भाजपा सदस्यता अभियान के संयोजक जीवेश मिश्रा ने कहा कि भाजपा का सदस्यता अभियान दो सितंबर से शुरू होने वाला है। इसके तहत बिहार में 1 करोड़ से ज्यादा सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। भाजपा कार्यालय में प्रेसवार्ता में जीवेश मिश्रा ने कहा कि पांच तरह से लोग भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर सकते हैं। समाज के सभी वर्गों तक हम पहुंचेंगे और सबको सदस्य बनाएंगे। अभियान की शुरुआत दो दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदस्य बनकर करेंगे। भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जो संपूर्ण लोकतांत्रिक प्रक्रिया से चलती है। इसके तहत छह वर्षों में पुराने सदस्य भी नए सदस्यों के साथ पुनः सदस्यता ग्रहण करते हैं। यही कारण है कि प्रधानमंत्री फिर से सदस्यता लेंगे। प्रदेश स्तर पर तीन सितंबर को बड़े पैमाने पर इसकी शुरुआत की जाएगी। चार सितंबर को बिहार के सभी 9 प्रमंडलों में केन्द्रीय मंत्री व वरीय नेता सदस्यता अभियान शुरू करेंगे। पांच सितंबर को सभी जिला मुख्यालयों पर वरीय नेताओं, मंत्रियों, विधायक, सांसद द्वारा सदस्यता अभियान करेंगे और 11 से 17 सितंबर तक महाभियान चलाएंगे।

जदयू नेता केसी त्यागी ने पद से दिया इस्तीफा

पार्टी बोली- निजी वजह, नए प्रवक्ता का हुआ ऐलान

पटना, एजेंसी। बिहार में बड़ी सियासी हलचल हुई है। राज्य में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। लेकिन बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। पार्टी की तरफ से प्रेस रिलीज जारी कर अभी यह कहा गया है कि केसी त्यागी ने निजी कारणों की वजह से पार्टी के प्रवक्ता पद से इस्तीफा दिया है। जदयू ने केसी त्यागी के इस्तीफे के बाद नए राष्ट्रीय प्रवक्ता का ऐलान भी कर दिया है। केसी त्यागी की जगह अब राजीव रंजन प्रसाद को जदयू का राष्ट्रीय प्रवक्ता घोषित किया गया है। जनता दल यूनाइटेड के महासचिव आफाक अहमद खान की तरफ से विज्ञप्ति जारी कर कहा गया है, जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने राजीव रंजन प्रसाद को राष्ट्रीय प्रवक्ता के पद पर नियुक्त किया है। केसी त्यागी जो प्रवक्ता के पद पर पार्टी में हैं, उन्होंने निजी कारण से पार्टी के प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया है। बताया जा रहा है कि केसी त्यागी पार्टी के राजनीतिक सलाहकार बने रहेंगे केसी त्यागी की जदयू के दिग्गज नेता हैं और कई मोर्चों पर केसी त्यागी पार्टी की तरफ से बोलते आए हैं। तेज तर्रार प्रवक्ता और कुशल राजनेता के तौर पर जाने जाने वाले केसी त्यागी के इस्तीफा ने सबको चौंका दिया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा- चिराग पूरे इंडिया की राजनीति नहीं कर रहे हैं

हर 10 वर्ष पर आरक्षण की समीक्षा जरूरी : मांझी

हम पार्टी का सदस्यता अभियान शुरू हुआ

पटना, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने फिर चिराग पासवान पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि चिराग पासवान ही पूरे इंडिया की राजनीति नहीं कर रहे हैं। प्रत्येक 10 वर्षों पर आरक्षण की समीक्षा जरूरी है। हमारे पास 18 जातियों के 3500 से अधिक लोग मिलने आए थे। निकट भविष्य में ये लोग सड़क पर आ रहे हैं। कारण, एक ही आदमी मलाई खा रहा है। हर तरह का लाभ ले रहा है।

जज, इंजीनियर, कलेक्टर, एसपी, इंजीनियर, इंजीनियर इन चीफ हो रहा है। 76 वर्ष बीत गए। आखिर कबतक चलेगा।

बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने कहा था कि 10 वर्षों में आरक्षण की समीक्षा होनी चाहिए। जिससे मालूम चले कि किस वर्ग को कितना लाभ पहुंचा है। इससे जो वर्ग पिछड़ा है, उसके विकास में मदद मिलेगी। हमारी पार्टी एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर के खिलाफ है। मांझी शनिवार को हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के सदस्यता अभियान की शुरुआत के मौके पर बोल रहे थे। मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन ने कार्यकर्ताओं से पार्टी और नेता की आइडियोलॉजी को लोगों तक पहुंचाने की अपील की। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि सभी जिलाध्यक्षों को कम से कम 10000 सदस्य बनाने हैं। जिस जिले में ज्यादा सदस्य बनेंगे और जिस विधानसभा क्षेत्र में सदस्यता अभियान के दौरान ज्यादा सदस्य होंगे, वहां पर चुनाव लड़ने के लिए पार्टी दावेदारी करेगी। किसी जिले के विधानसभा क्षेत्र में हम काफी मजबूत स्थिति में हैं तो वहां पर प्रत्येक बूथ स्तर पर कम से कम 10 सदस्य अवश्य होने चाहिए। इस मौके पर पार्टी के सभी चारों विधायक सहित पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी राष्ट्रीय पदाधिकारी सहित नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मध्यदेशीय वैश्य समाज के साथ हैं, मिलेगा हक : मंत्री

गया, एजेंसी। मध्यदेशीय वैश्य समाज (हलवाई) के साथ हूं। समाज को हक और अधिकार मिलना चाहिए। वैश्य समाज को हक मिलेगा। ये बातें सूबे के वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने शनिवार को महात्मा गणिनाथ जयंती पूज्नोत्सव सह सम्मेलन में कहीं। अखिल भारतीय मध्यदेशीय (हलवाई) वैश्य सभा की जिला शाखा व युवा समिति की ओर आयोजित 78वें जन्मोत्सव सह हम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि मंत्री ने कहा कि मध्यादेशीय वैश्य समाज के साथ हूं। समाज का भी हमेशा साथ मिला है। आगे भी साथ मिलने की उम्मीद है। विधायक व पूर्व मंत्री कुमार सर्वजीत ने कहा कि हलवाई समाज को उचित राजनैतिक हक हर हाल में मिलना चाहिए। वैश्य समाज को उसके अधिकार से कोई वंचित नहीं कर सकता है। साथ ही समाज के उत्थान के बच्चों को अच्छी शिक्षा दें। बेटियों को पढ़ाएं। उन्होंने कहा कि हक दिलाने के लिए वे समाज के साथ हैं। विधायक ज्योति मांझी ने कहा कि मेहनती वैश्य समाज को भागादारी मिलनी चाहिए। केंद्र व राज्य सरकार की जिम्मेवारी बनती है कि वे हक दें।

सबसे अधिक आबादी के बाद भी राजनीतिक लाभ नहीं: जिलाध्यक्ष : समारोह की अध्यक्षता करते हुए सभा के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार गुप्ता ने कहा कि हर साल समाज के उत्थान व विकास को लेकर आयोजित होने वाले समारोह में सैलाब उमड़ता है। वैश्य समाज में सबसे अधिक आबादी हलवाई समाज की है। बावजूद इस समाज को राजनीतिक लाभ से वंचित रखा जा रहा है। अध्यक्ष ने कहा कि बच्चों ने भी गीत-संगीत का कार्यक्रम पेश किया। बच्चों को सम्मानित किया गया। वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष सह मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार गुप्ता ने सरकार से गणिनाथ जयंती पर सरकारी अवकाश घोषित करने की मांग की। मंच संचालन जिला महामंत्री शिव कुमार ने किया। इस मौक पर राष्ट्रीय संरक्षक अनिल कुमार, सच्चिदानंद प्रसाद, नरेंद्र कुमार गुप्ता, शुकुल प्रसाद, कोषाध्यक्ष राकेश कुमार डबलू, युवाध्यक्ष मुकेश कुमार, पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज कुमार मधेशिया,पूर्व महामंत्री परमानंद गुप्ता, कार्यकारी महामंत्री अनिल कुमार भोला, अजय गुप्ता, मृत्युंजय कुमार, अमर कुमार,धर्मेंद्र कुमार सहित भारी संख्या में समाज के लोग शामिल रहे।

किशोर की बरामदगी नहीं होने के खिलाफ रोड जाम, आगजनी

छपरा, एजेंसी। छपरा -पटना मुख्य मार्ग 3 घंटे तक रहा सांढा ओवर ब्रिज के पास जाम 24 अगस्त को टाउन थाना क्षेत्र के मौना जटही पोखरा मोहल्ले के रहने वाले किराना व्यवसाई का स्कूल के लिए निकला बेटा हो गया है गायब परिजनों ने टाउन थाने में बेटे के गायब होने की एफआईआर करायी है दर्ज टाउन थाना इंस्पेक्टर और मुफस्सिल थाना इंस्पेक्टर ने मौके पर पहुंचकर गुस्साए लोगों को समझा बुझा कर जाम हटाया फोटो 1 बच्चे की बरामदगी के लिए शनिवार को सांढ़ा ओवर ब्रिज के नीचे आगजनी कर रोड जाम करते गुस्साए मोहल्ले के लोग पेज तीन की लीड छपरा, हमारे संवाददाता। घर से स्कूल के लिए निकले लापता बच्चे की हफ्ते भर बाद भी बरामदगी नहीं होने से गुस्साए लोगों ने शनिवार को सांढा ओवरब्रिज के पास रोड जाम कर आगजनी की। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सांढा ओवर ब्रिज के नीचे टाउन थाना क्षेत्र के मौना जटही पोखरा मोहल्ले के लोगों ने तीन घण्टे तक आवागमन ठप कर दिया था। रोड जाम कर रहे लोगों में गुस्सा था कि 24 अगस्त को घर से शहर में ही श्री किशुन प्रसाद मध्य विद्यालय स्कूल के लिए निकला बच्चा गायब हो गया।पुलिस अभी तक उसे बरामद नहीं कर पाई। किराना व्यवसायी विनोद कुमार मांझी के 14 वर्षीय पुत्र सातवीं कक्षा का छात्र है। रिशु कुमार मांझी घर नहीं लौटा। परिजनों ने टाउन थाने में एफआईआर दर्ज कराई है लेकिन किशोर बरामद नहीं हो पाया। इसी बात को लेकर परिजन और मोहल्ले के लोग छपरा पटना मार्ग को जाम कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही टाउन थाने के इंस्पेक्टर संजीव कुमार, मुफस्सिल थाने के इंस्पेक्टर विशाल आनंद और भारी संख्या में पुलिस पदाधिकारी और जवान मौके पर पहुंचे और गुस्साए लोगों को किसी तरह से समझा बुझा कर जाम को हटवाया। पुलिस ने रोड पर जल रहे टायर को खुद पानी डालकर बुझा दिया। पुलिस पदाधिकारी ने आश्वासन दिया कि 10 दिन के अंदर बच्चे को पुलिस बरामद करेगी। उसके बाद किसी तरह से रोड पर आगजनी व जाम करने वाले को रोड से हटाया गया। छपरा- पटना मार्ग जाम किए जाने को लेकर ट्रैफिक पुलिस के इंस्पेक्टर सुधीर कुमार ने खुद कचहरी स्टेशन के पास ओवर ब्रिज पर खड़ा होकर आम लोगों की गाड़ियों को रोक दिया ताकि गाड़ी को किसी तरह का नुकसान न पहुंचे। जाम की वजह से कई स्कूल व पटना जाने वाली बसें और कई प्राइवेट कार भी घंटे खड़ी रही। यातायात को सुचारू बनाने के लिए ट्रैफिक पुलिस के सब इंस्पेक्टर के डी यादव व अन्य जवानो ने गाड़ियों की आवा जाही शुरू करायी तब जाकर लोगों ने राहत की सांस ली । इसके बाद गाड़ियों का परिचालन सुचारू रूप से शुरू हो गया।

बिहार पशु विज्ञान विवि में पौधरोपण: हमारी संस्कृति और परंपरा में पौधों का महत्वपूर्ण स्थान है : राज्यपाल

पटना, एजेंसी। किसानों को सम्मानित किया गया राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय में पौधरोपण किया। विवि सभागार में हुए समारोह में राज्यपाल ने कहा कि पर्यावरण के लिए पेड़-पौधों के साथ-साथ पशु भी आवश्यक हैं। सर्वजन के तहत वे सभी प्राणी आते हैं जिनमें जीवन और प्रजनन क्षमता है। इसके अंतर्गत पेड़-पौधे और पशु-पक्षी सहित समस्त जीव आते हैं और उनका संरक्षण हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति और परंपरा में पौधों का महत्वपूर्ण स्थान है। हमारे ऋषियों और मनीषियों ने भी प्रकृति के सानिध्य में रहने तथा अधिकाधिक पेड़ लगाकर प्रकृति के संरक्षण का संदेश दिया है। अपने घरों में तुलसी का पौधा लगाकर उसकी पूजा, वट वृक्ष की पूजा आदि अनेक प्रकार की पूजा पद्धतियां हमें प्रकृति से जोड़ती हैं और इससे उसका संरक्षण होता है। हजारों वर्षों की इस परंपरा को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने मां के साथ जोड़कर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान शुरू किया और अपनी मां के नाम पर पौधा लगाकर प्रकृति के संरक्षण का आह्वान किया है। हमें इस अभियान से जुड़कर पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि सरकार पर्यावरण संरक्षण के लिए लगातार प्रयत्नशील है। हमारा देश पेरिस सम्मेलन के निर्णयों

के प्रति भी कटिबद्ध है। बिहार का वन क्षेत्र राष्ट्रीय औसत की तुलना में काफी कम है। इस राज्य के वन क्षेत्र को बढ़ाने का दायित्व हम सबका है। हमें अधिकाधिक पौधरोपण करना चाहिए। इस अवसर पर राज्यपाल ने वैज्ञानिकों और बिहार के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम को पर्यावरण मंत्री डॉ. प्रेम कुमार, पशु विज्ञान विवि के कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर डॉ. उमेश सिंह, डॉ. वीर सिंह आदि मौजूद थे।

बिहार में डेंगू का विस्फोटक, पटना बना हॉट स्पॉट

एक दिन में 53 मरीज मिलने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप

पटना, एजेंसी। बिहार में डेंगू विस्फोटक रूप लेता जा रहा है। राजधानी पटना के कंकड़बाग और अजीमाबाद हॉटस्पॉट बन गए हैं। शनिवार को डेंगू के 33 और राज्य भर में 53 मरीज मिले हैं। इनमें कंकड़बाग से आठ, अजीमाबाद से छह, एनसीसी अंचल से पांच, पटना सिटी से 4, बांकीपुर अंचल से दो और पाटलिपुत्र अंचल से एक मिले हैं। बाकी की पहचान नहीं हो पाई है। अब कुल डेंगू संक्रमितों की संख्या बढ़कर 280 पर पहुंच गयी है। राज्य के अन्य जिलों में भी जांच में डेंगू पीड़ित मरीज मिल रहे हैं। इससे राज्य के स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। एक दिन पहले भी 18 डेंगू पीड़ित पटना में मिले हैं।

पटना में इस वर्ष अबतक कंकड़बाग, अजीमाबाद और बांकीपुर अंचल सबसे बड़ा हॉट स्पॉट बनकर उभरे हैं। अबतक मिले कुल डेंगू पीड़ितों में आधे से ज्यादा इन्हीं तीन अंचलों से मिले हैं। इन अंचलों के दर्जन भर से ज्यादा मोहल्ले जलजमाव, खुले सीवर और ध्वस्त मैनहोल से त्रस्त है। कंकड़बाग अंचल में अबतक 70 संक्रमित मिले कंकड़बाग अंचल के योगीपुर, चित्रगुप्तनगर, बैंकमेन्स कॉलोनी, काली मंदिर रोड, हनुमाननगर, भूतनाथ रोड, अगमकुआं थाने के आसपास के मोहल्ले अब डेंगू के हॉट स्पॉट बन गए हैं। शहर का पहला डेंगू पीड़ित इस बार योगीपुर मोहल्ले से ही मिला था। योगीपुर, चित्रगुप्तनगर इलाके में जर्जर सड़क, गड्ढे, ध्वस्त नालियां और खाली प्लॉट में जमा पानी डेंगू मच्छरों के लिए अनुकूल माहौल बना रहा है। मोहल्ले में निजी क्लीनिक चलानेवाले चिकित्सक डॉ. सुरेंद्र कुमार ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से आ रहे बुखार पीड़ितों में लगभग 20 प्रतिशत डेंगू पीड़ित मिल रहे हैं। बताया कि दो दिन पहले उन्होंने लक्षण के आधार पर पांच लोगों की जांच कराई थी, उनमें से तीन को डेंगू से ग्रसित पाया गया। डॉ. राजीव रंजन ने बताया कि निगम अजीमाबाद अंचल में अबतक 61 लोग डेंगू से ग्रसित हो चुके हैं। अगर निजी अस्पतालों व क्लीनिकों में पहुंच रहे मरीजों की मानें तो यह आंकड़ा 100 के पार पहुंच गया है। आलमगंज से शनिचरा मंदिर तक कई इलाके में डेंगू का प्रकोप बढ़ा है। एनएमसीएच में मेडिसिन विभाग के हेड डॉ. अजय कुमार सिन्हा ने बताया कि यहां होनेवाली जांच में अब डेंगू पीड़ित मिलने लगे हैं। मच्छरदानी का प्रयोग, आसपास में पानी नहीं जमने देने आदि का सुझाव दिए। इस साल एक जनवरी से 30 अगस्त तक राज्य के विभिन्न जिलों में 728 डेंगू पीड़ित हो चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग को जिलों से मिली रिपोर्ट के अनुसार शुक्रवार को पटना में 33, दरभंगा 3, बेगूसराय 3, मुजफ्फरपुर 2, नालंदा 2, सीवान में 2 मरीज मिले। अरवल, भागलपुर, जहानाबाद, कटिहार, मधुबनी, नवादा, सारण और वैशाली में एक-एक मरीज मिले हैं।

कहते हैं अधिकारी

डेंगू के हॉट स्पॉट बने पटना के तीनों अंचलों कंकड़बाग, बांकीपुर और अजीमाबाद अंचलों के कार्यपालक पदाधिकारियों को विशेष अभियान चलाकर प्रभावित मोहल्ले में फॉगिंग और एंटी लार्वासाइड का छिड़काव कराने का निर्देश दिया गया है। इसकी मॉनिटरिंग के लिए भी कहा गया है। अगले सप्ताह डेंगू पर विशेष बैठक भी आयोजित की जाएगी। – डॉ. चंद्रशेखर सिंह, डीएम, पटना।

बांकीपुर अंचल के बाजार समिति, राजेन्द्रनगर, लोहानीपुर, कदमकुआं, सब्जीबाग, जीएम रोड, मुसल्लहपुर हाट, महेन्द्रू, इलाके से लगातार डेंगू पीड़ित अस्पताल पहुंच रहे हैं। मोहल्ले के विकास सिंह ने बताया कि निर्माण कार्य, गंदगी के कारण इन मोहल्लों में 15 दिनों से मच्छरों का प्रकोप काफी बढ़ गया है। आसपास के तीन-चार घरों में लोग डेंगू से पीड़ित भी हो चुके हैं। जिला स्वास्थ्य समिति के एक पदाधिकारी और एक चिकित्सक के परिवार के सदस्य भी डेंगू से ग्रसित हो गए थे। अबतक 58 लोग डेंगू से पीड़ित हो चुके हैं।

पर्याप्त मात्रा में निशुल्क दवा की है उपलब्धता

स्वास्थ्य विभाग के अपर निदेशक सह मलेरिया के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि डेंगू नियंत्रण के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। अस्पतालों में मरीजों के लिए बेड, दवा और प्लेटलेट्स की उपलब्धता सुनिश्चित कराई गई है। पर्याप्त मात्रा में दवा की निशुल्क उपलब्धता है। ब्लड बैंक से प्लेटलेट्स भी उपलब्ध करा दिए जाएंगे।

STONE CLINIC MOTIHARI

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

केंद्रीय विश्वविद्यालय के चाणक्य परिसर में स्वच्छता अभियान का शुभारंभ

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा का आरम्भ रविवार को विश्वविद्यालय के चाणक्य परिसर में कुलानुशासक प्रो. प्रसून दत्त सिंह द्वारा किया गया। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने अपने संदेश के माध्यम से कहा कि विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों तथा कर्मचारियों को हमेशा आस-पास के वातावरण को साफ रखना चाहिए और अपने आस पास के लोगों को भी सफाई के लिए प्रेरित करना चाहिए। साथ ही उन्होंने भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के तहत "स्वच्छ भारतः एक कदम स्वच्छता की ओर" पर भी प्रकाश डालते हुए "स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत" के मुहिम की सराहना की। साथ ही उन्होंने गाँधी का स्वच्छता के प्रति विचार का भी स्मरण करते हुए उनके विचारः

"स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत। खुद रखोगे साफ, तभी अगली पीढ़ी बटाएंगी हाथ।" से सभी को अवगत कराया। साथ ही उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान के तहत देश को स्वच्छ रखने के लिए भारत सरकार के द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न मुहिम से भी अवगत कराया जो कि इस प्रकार हैः शौचालय निर्माण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, स्वच्छता जागरूकता, #MyCleanIndia, शहरी स्वच्छ भारत अभियान, स्वच्छ भारत पखवाड़ा, वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता पर प्रतियोगिताएं, इत्यादि।

कुलनुशासक, प्रो. प्रसून दत्त सिंह, ने कहा कि स्वच्छ वातावरण तंदुरुस्त मन का निर्माण करता है। उन्होंने स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम सबको न केवल अपने आस पास और घर को स्वच्छ रखना चाहिए बल्कि अपने समाज में भी समय-समय पर सफाई करना चाहिए। उन्होंने सभी शोधार्थियों, विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को विश्वविद्यालय को सदा स्वच्छ रखने का संकल्प भी दिलाया। सभी की प्रेरित करने के लिए उन्होंने खुद भी विश्वविद्यालय के चाणक्य परिसर की सफाई में भाग लिया जिससे विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थियों और कर्मचारियों में सफाई के प्रति प्रेरणा की अलख जलती हुई दिखाई पड़ी। साथ ही उन्होंने विश्विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने का आग्रह किया।

मौके पर विश्वविद्यालय के उपकुलानुशासक डॉ अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने गाँधी के विचारः "हर कोई अपना खुद का सफाईकर्मी है", इस तथ्य को दोहराते हुए कि स्वच्छता को व्यक्तिगत जिम्मेदारी बनाने की आवश्यकता अस्पृश्यता को दूर करने की कुंजी थी" का स्मरण कराया। साथ ही उन्होंने "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम सब को सर्व प्रथम अपने वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिये और वैसे पेड़ जो कि लंबे समय तक जीवित रहते हैं जैसे बरगद, पीपल, सागवान, इत्यादि।

वहीं विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी एवं सहायक आचार्य कुंदन किशोर रजक ने कहा किः हम सब को स्वछता को अपने आदत में लाने का प्रयास करना चाहिये। हमलोगों को अपने आस पास की नदी, तालाब, कुआँ, और छोटे-छोटे जलाशयों को भी स्वच्छ रखने का प्रायस करना चाहिए और इन सब में गंदगी को विसर्जन न करने का आग्रह किया।

विश्विद्यालय के अधिकारीगण, शोधार्थीगण, विद्यार्थियों, एवम कर्मचारीयो ने सफाई अभियान में बढ़ चढ़ कर भाग लिया। इस मौके पर कई लोगों ने अपनी उपस्थिति हर्षोल्लास के साथ दर्ज कराई; जिनमें शोधार्थी सुपर्णा सेन, संजीत, कृष्ण कुमार, तथा कर्मचारीगणः अभिषेक, नीरज, सितोष, के साथ आदि कई लोग उपस्थित रहे।

सरकार लोहार के एसटी के अधिकार को पुनः बहाल नहीं करती है तो लड़ाई जारी रहेगी - राजकिशोर

- लोहार आदिवासी संघ की बैठक आयोजित

बीएनएम। मोतिहारी

लोहार आदिवासी संघ की रविवार को जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। मोतिहारी रघुनाथपुर स्थित राजकिशोर ठाकुर के आवास पर आयोजित इस बैठक में लोहार समाज की आर्थिक, सामाजिक व शैक्षणिक स्थिति पर चर्चा की गई। साथ हीं आगामी विस चुनाव में लोहार समाज की भूमिका पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए आदिवासी लोहार संघ के संरक्षक राजकिशोर ठाकुर ने कहा कि लोहार समाज के साथ न्याय नहीं किया गया है। एसटी के अधिकार से इस समाज को वंचित कर सामाजिक व राजनीतिक रूप से कमजोर करने की साजिश की गई है। इस साजिश को यह समाज भलीभांति समझ चुका है। यदि सरकार हमारे एसटी के अधिकार को पुनः बहाल नहीं करती है तो लड़ाई जारी रहेगी। वहीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए संघ के जिलाध्यक्ष शिवशंकर ठाकुर ने कहा कि एसटी के अधिकार के लिए लोहार समाज अब करो या मरो की स्थिति में है। अगर सरकार इस मामले को नहीं सुनती है तो सड़क से सदन तक चरणबद्ध व शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन किया जाएगा।बैठक को सेवानिवृत्त प्रधान सहायक राधाकांत ठाकुर, सेवानिवृत्त शिक्षक ब्रजबिहारी शर्मा, रामतापस्या ठाकुर, पूर्व मुखिया दीपक ठाकुर, डॉ चंदेश्वर ठाकुर आदि ने भी संबोधित किया। बैठक में सर्वसम्मति से एसटी के अधिकार के लिए लड़ाई जारी रखने पर सहमति बनी। संगठन के विस्तार व मजबूती पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर सत्येन्द्र कुमार, शम्भू ठाकुर, शेषनाथ ठाकुर, हरिनंदन ठाकुर, कैलाश ठाकुर, सकलदेव ठाकुर, कृष्णा शर्मा, संजीव कुमार शर्मा, पारस ठाकुर, विजय कुमार ठाकुर, वासुदेव शर्मा, साहेबलाल ठाकुर सहित लोहार समाज के जिले के सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

किसान के खेत में मिले कुआं की खुदाई में निकला हड्डियो के अवशेष

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के सपही पंचायत के वार्ड नंबर 4 में एक किसान के खेत में गोलाकार कुआं जैसा एक गड्ढा मिला है। जिसकी खुदाई करने पर हड्डियों के अवशेष निकल रहे हैं। बताया गया कि कुआं का मुहाना करीब साढ़े तीन फुट का है। कुआं की करीब 15 फीट खुदाई की गयी। लेकिन अब तक उसकी गहराई का पूरा अंदाजा नही हो सका है। मिली जानकारी के अनुसार सपही के संतोष कुमार शनिवार को कुदाल से अपनी जमीन को समतल कर रहे थे। इसी दौरान कुदाल किसी वस्तु से टकरायी। देखा तो ईंट जैसा दिखाई दिया। जब उसने खुदाई की तो खेत में ईंट से बना कुएं का आकार दिखाई दिया। जिसे वह खोदते-खोदते 15 फुट नीचे तक नीचे चला गया, लेकिन अब तक पूरी गहराई का पता नहीं चल सका है। खुदाई के दौरान केवल हड्डियों के अवशेष मिल रहे है। वही कुआं से निकलने वाली ईंटें भी दुर्लभ दिख रही हैं। जिस पर तरह-तरह के निशान बने हैं। हालांकि, इन ईंटों में मिट्टी सटे होने के कारण कुछ स्पष्ट नही दिख रहा है। स्थानीय लोगो ने बताया कि ईटों की लंबाई-चौड़ाई भी अजीब है। इस वाक्या की जानकारी मिलने के बाद दुर्लभ हड्डियो के अवशेष को लेकर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने तुरकौलिया बीडीओ को आवश्यक निर्देश देते कहा है, कि आवश्यकता होने पर हड्डियों के इन अवशेषो की सबंधित विभाग से जांच करायी जायेगी।

एसडीओ ने की पीडीएस दुकान की जांच, वितरण में गड़बड़ी, पॉस मशीन नदारद

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के आदापुर प्रखंड क्षेत्र के दुबहा पंचायत के कलवाड़ी दूबहा गांव में बिरेंद्र प्रसाद के पीडीएस दुकान की जांच शनिवार को रक्सौल एसडीएम सुश्री शिवाक्षी दीक्षित के द्वारा की गईं। जांच के दौरान दुकानदार के स्टॉक में कमी, पॉस महीन की सुरक्षा में घोर लापरवाही व अगस्त महीने की राशन लाभुको के बीच वितरण में लापरवाही आदि पाया गया ।उक्त गड़बड़ी को लेकर उक्त पीडीएस दुकान का लाइसेंस निलंबित कर दी गई है। वही दरपा थाना में एफआईआर का आदेश दिया गया है। एसडीएम सुश्री दीक्षित ने बताया कि कलवारी गांव के पीडीएस दुकानदार बिरेंद्र प्रसाद के दुकान की जांच में राशन स्टॉक कम पाया गया। पॉस मशीन मिसिंग होने की बात दुकानदार के द्वारा बताया गया है। फिलहाल लाभुकों के बीच राशन वितरण नही हो पा रहा था। जांच में गड़बड़ी सामने आने पर फिलहाल उक्त पीडीएस दुकान की लाइसेंस निलंबित कर एफआईआर दर्ज करा दिया गया है। वहीं लाभुकों के बीच बगल के दुकान से टैग कर राशन वितरण का कार्य कराया जा रहा है। वही दरपा थानाध्यक्ष उमाशंकर माझी ने बताया कि एफआईआर के लिए आवेदन नही मिला है।

विश्व बंधुत्व दिवस के आयोजन को लेकर बैठक आयोजित

बीएनएम। मुजफ्फरपुर

रविवार को विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी की मुजफ्फरपुर शाखा में आगामी विश्व बंधुत्व दिवस के आयोजन की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक गुरुकृपा नगर, खबरा, मुजफ्फरपुर में संपन्न हुई, जिसमें केंद्र के प्रमुख सदस्यों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर बिहार-झारखंड के प्रांत सह संगठक कमलकांत सिंह, प्रांत साहित्य प्रमुख शिवकुमार प्रसाद सिंह और धर्मदास सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे।

बैठक के दौरान, संभू मोहन प्रसाद को संयोजक और राजा बाबू को सह संयोजक चुना गया। इसके अलावा, शिवानी कुमारी, अलका कुमारी और मीरा देवी सहित अन्य सदस्यों ने संगठन में शामिल होकर अपने योगदान देने की इच्छा प्रकट की। बैठक में उपस्थित गणेश प्रसाद, शिव कुमार, राजेश कुमार चौधरी, रतन किशोर झा और अनिल कुमार सिंह ने भी सक्रिय भागीदारी की।

सभी सदस्यों ने विश्व बंधुत्व दिवस के कार्यक्रम की सफलता के लिए विभिन्न पहलुओं पर गहन विचार-विमर्श किया और इसे प्रभावी बनाने के लिए योजनाएं बनाई। बैठक के अंत में, सभी ने कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया और इसके लिए आवश्यक कदम उठाने पर सहमति जताई।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

हरसिद्धि दुदही मलाही टोला से गिरफ्तार साइबर फ्रॉड निकला अंतर्राष्ट्रीय गिरोह का सरगना

बीएनएम। हरसिद्धि

- पपुलिस ने चार लोगों पर किया प्राथमिक दर्ज
- गिरफ्तार साइबर फ्रॉड ने पुलिस को बताया कई अहम सुराग

थाना क्षेत्र के दुदही मलाही टोला से गिरफ्तार साइबर फ्रॉड सिकंदर यादव अंतराष्ट्रीय साइबर फ्रॉड गिरोह का सरगना निकला। स्थानीय पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर सिकंदर यादव की गिरफ्तारी छपवा- हरसिद्धि मुख्य मार्ग के कोबेया से किया था। जिसमें पुलिस पदाधिकारी के द्वारा पूछताछ किया गया। जिससके बाद इसकी सूचना अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रंजन कुमार को दिया गया। जिन्होंने इस साइबर फ्रॉड से पूछताछ किया। पूछताछ में सिकन्दर ने अपने सहयोगियों का संलिप्तता स्वीकार करते हुए बताया कि मैं पूरे भारत में कहीं से भी मोबाइल के जरिए रुपये निकाल और डाल सकता हूं। पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष सह पुलिस निरीक्षक निर्भय कुमार राय ने बताया कि मामले में साइबर फ्रॉड सिकंदर यादव सहित तीन लोग नामजद किया गया हैं जिसमें नीरज सहनी, विवेक सहनी, सूरज सहनी को प्राथमिक अभियुक्त बनाया गया है, साथ ही तीनों को गिरफ्तारी के लिए छापेमारी किया जा रहा है। थानाध्यक्ष ने बताया कि सिकंदर यादव के पास से श्यामबाबू कुमार के नाम के दो डेबिट कार्ड एक एसबीआई का डेबिट कार्ड व फिनकेयर का एक बैंक ऑफ़ बड़ौदा का एटीएम बरामद किया गया। जिस एटीएम के माध्यम से कई बार रुपए की निकासी की गई है। थानाध्यक्ष श्री राय बताया कि इसके पास से तीन एंड्रॉयड फोन भी बरामद हुआ है, जो कि इसी फोन से रुपए की लेनदेन की जाती है उन्होंने बताया कि गिरफ्तार सिकंदर यादव को सोमवार को जेल भेज दिया जाएगा।

बाइक व ट्रक दुर्घटना में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

- ग्रामीणों ने किया सड़क जाम, पदाधिकारी और जनप्रतिनिधियों के समझाने व आश्वासन के बाद हटा सड़क जाम
- मृतक के बड़े भाई के आवेदन पर दर्ज हुई प्राथमिकी

बीएनएम। हरसिद्धि

प्रखंड क्षेत्र के पानापुर रंजीता पंचायत स्थित एचपीसीएल गैस रिफिलिंग प्लांट के समीप हरसिद्धि-छपवा मुख्य मार्ग पर शनिवार को बाइक पर ट्रक की टक्कर में एक युवक अमरजीत कुमार (17 वर्ष) की मौत इलाज के क्रम में हो गई। मृतक सुगौली थाना क्षेत्र के कोबेया गांव निवासी स्वर्गीय सिकंदर राउत का पुत्र था। मृतक अमरजीत कुमार शनिवार के दिन में बाइक से अपने घर से हरसिद्धि की ओर जा रहा था कि एचपीसीएल गैस रिफिलिंग प्लांट के समीप गैस लदे ट्रक से टक्कर हो गई जिसमें वह बुरी तरह घायल हो गया। परिजन व ग्रामीण उसे इलाज के लिए सुगौली अस्पताल में ले गये लेकिन वहां से चिकित्सकों ने मोतिहारी के लिए रेफर कर दिया। मृतक का बड़ा भाई विजय राउत ने बताया कि करीब बारह बजे रात को अमरजीत ने इलाज के क्रम में मोतिहारी में दम तोड़ दिया। इसके विरोध में रविवार को सुबह ग्रामीणों ने एचपीसीएल गैस प्लांट के समीप सड़क पर शव को रखकर जाम कर दिया और उचित न्याय तथा मुआवजे की मांग करने लगे। ग्रामीण व परिजनों का आरोप था कि एचपीसीएल गैस प्लांट की गाड़ियां यार्ड में नहीं लगती है और चालक मुख्य सड़क पर ही गाड़ी लगा देते हैं जिस कारण यह दुर्घटना हुई है, वहीं प्लांट के मैनेजर अर्जुन सिंह ने बताया कि गाड़ियों को यार्ड में लगाने के लिए चालकों को निर्देश दिया गया है, परंतु ट्रक चालक लापरवाही कर गाड़ी सड़क के किनारे लगा देते हैं। जबकि उन्हें बार-बार गाड़ी यार्ड में लगाने के लिए कहा जाता है। उन्होंने बताया कि यह घटना प्लांट के अंदर नहीं सड़क पर हुई है। इसलिए उसके जिम्मेवार चालक व ट्रक ट्रांसपोर्टर हैं। मौके पर थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय, बीडीओ मनोज पासवान, दुदही के मुखिया पति वेद प्रकाश, जदयू नेता मदन पटेल, रमेश ठाकुर, वकील प्रसाद, मनोज सहनी, रामाशीष पटेल, सिकंदर प्रसाद आदि लोगों के समझाने बुझाने पर तथा पदाधिकारीगण के आश्वासन पर जाम हटा। थानाध्यक्ष ने बताया कि जांच उपरांत शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया गया तथा मृतक के बड़े भाई विजय राउत के आवेदन पर गाड़ी नंबर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। गाड़ी नंबर से ही चालक और मालिक की पहचान की जाएगी और उन पर कार्रवाई की जाएगी।

अनियंत्रित कार पेड़ से टकराई, एक की मौत, दो घायल

बीएनएम। रक्सौल

रक्सौल-आदापुर नहर रोड पर धबधबवा गांव के पास एक अनियंत्रित कार पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। जबकि एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई और दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान ऋषभ गिरी के रूप में हुई है। वहीं, घायलों की पहचान नवल पासवान और प्रकाश पासवान के रूप में हुई है। इनकी हालत नाजुक है और अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, यह घटना आदापुर थाना क्षेत्र के श्यामपुर चौक से पूरब धबधबवा गांव के पास हुई है। यहां एक कार की पेड़ से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि उक्त पेड़ की छाल तक उखड़ गई और कार के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। घटना की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि उक्त कार में सवार तीनों लोग दोस्त थे। घर से निकल कर पांच सौ गज की दूरी भी पार नहीं कर पाए, तब तक यह हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि तीनो एन्जॉय के मूड में थे। इस दौरान उनकी कार अनियंत्रित हो गई और सीधी जाकर सड़क के किनारे पेड़ से टकरा गई। जोरदार टक्कर की आवाज सुन वहां बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि कार के पेड़ से टकराने के बाद इतनी तेज आवाज हुई जैसे कोई बम की आवाज हो।

रक्सौल आरपीएफ ने रेलवे का हुक बोल्ट नट चोरी करते एक को किया गिरफ्तार

बीएनएम। रक्सौल

रेलवे सुरक्षा बल रक्सौल की टीम ने रेलवे का हुक बोल्ट व नट चोरी करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी देते हुए आरपीएफ पोस्ट रक्सौल के निरीक्षक ऋतुराज कश्यप ने बताया कि आरपीएफ पोस्ट रक्सौल के सब इंस्पेक्टर संतोष कुमार मिश्रा, प्रधान आरक्षी गोपाल सिंह, आरक्षी राजीव कुमार के नेतृत्व की टीम के द्वारा गश्ती के दौरान रक्सौल यार्ड के समपार फाटक संख्या 34 से प्लेटफॉर्म 1 के पश्चिमी छोर पर आने के क्रम में एक व्यक्ति को प्लास्टिक के बोरे में कुछ वजनी सामान लेकर जाते हुए देखा गया।आरपीएफ को अपनी तरफ आता देख आरोपी युवक प्लास्टिक की बोरी को लेकर भागने की कोशिश करने लगा, शंका होने पर भागने का प्रयास कर रहे व्यक्ति को घेरकर ओएचई पोल सं 187/36-187/38 के मध्य रोका गया तथा उसके कन्धे पर रखा प्लास्टिक के बोरी खोलकर देखने पर उसमें 10 अदद रेलवे का हुक बोल्ट व 05 अदद रेलवे का नट बरामद हुआ। बरामद रेलवे हुक बोल्ट व नट के बारे में पूछने पर कोई संतोषजनक जबाब नहीं दिया और न ही कोई वैध प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किया। आरोपी की पहचान रक्सौल के सुंदरपुर निवासी अरविन्द कुमार के रूप में की गयी है।मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

चित्रगुप्त एसोसिएशन की ओर से बैठक आयोजित

बीएनएम। मुजफ्फरपुर

चित्रगुप्त एसोसिएशन प्रांगण में रविवार को एक आम सभा का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकुमार ने की और संचालन डॉ. अजय नारायण सिंहा द्वारा किया गया। इस बैठक में महामंत्री डॉ. अजय नारायण ने सत्र के दौरान संगठन की उपलब्धियों के बारे में सभी सदस्यों को जानकारी दी और आगामी कार्यक्रमों के लिए सुझाव भी आमंत्रित किए। सदस्यों ने उत्साहपूर्वक अपने सुझाव प्रस्तुत किए और वर्तमान कमिटी के द्वारा संगठन को सफलतापूर्वक और सुचारू रूप से चलाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कमिटी को हर प्रकार का सहयोग देने का भी आश्वासन दिया। बैठक में लगभग 300 सदस्य उपस्थित थे।

जिला स्तरीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन

बीएनएम। मुजफ्फरपुर

जिले में रविवार को जिला स्तरीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन स्थानीय स्ट्रेंथ स्टूडियो जिम में संपन्न हुआ। इस आयोजन का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. राजभूषण चौधरी निषाद के द्वारा किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों में राजीव कुमार (जिला परिषद कटरा), दिलमोहन झा (मुजफ्फरपुर कुश्ती संघ के सचिव), प्रवीण कुमार (पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं जिम फूड न्यूट्रीशन के निदेशक) और विशाल कुमार (स्ट्रेंथ स्टूडियो के निदेशक) उपस्थित थे।

मुजफ्फरपुर पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन के सचिव विकास कुमार ने बताया कि इस प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों, क्लबों, और जिमों से कुल 165 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता को सब जूनियर, जूनियर, और सीनियर बालक-बालिका वर्गों में विभाजित किया गया। चैंपियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा।

पुरुष वर्ग में शक्तिशाली पुरुष का खिताब आकाश कुमार सिंह को और महिला वर्ग में शक्तिशाली महिला का खिताब रागनी ठाकुर को प्रदान किया गया।

चैंपियनशिप के परिणाम इस प्रकार रहे:

महिला वर्ग

- 53 किलोग्राम भार वर्ग: दृष्टि प्रथम
- 59 किलोग्राम भार वर्ग: प्रिया वशिष्ट प्रथम
- 74 किलोग्राम भार वर्ग: रागनी ठाकुर प्रथम
- 84 किलोग्राम भार वर्ग: पूजा कुमारी प्रथम
- 120 किलोग्राम भार वर्ग: दीपमाला प्रथम

जूनियर वर्ग

- 59 किलोग्राम भार वर्ग: मनीषा प्रथम

इस आयोजन ने खिलाड़ियों में नई ऊर्जा का संचार किया और उन्हें भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार होने का मौका प्रदान किया।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US
Tally Prime
ADCA DCA CCC
COMPUTER BASIC
ADVANCE EXCEL
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 RAKESH KUMAR bdscomputer.in

चिंतन मनन

राष्ट्रीय एकता में बाधक तत्व

आर्थिक और सामाजिक असमानता राष्ट्रीय एकता में बहुत बड़ी बाधा है। उस असमानता का मूल है अहं और स्वार्थ। इसलिए राष्ट्र की भावात्मक एकता के लिए अहं-विसर्जन और स्वार्थ-विसर्जन को मैं बहुत महत्व देता हूं। जातीय असमानता भी राष्ट्रीय एकता का बहुत बड़ा विघ्न है। उसका भी मूल कारण अहं ही है। दूसरों से अपने को बड़ा मानने में अहं पुष्ट होता है और आदमी अपने-आप में संतोष का अनुभव करता है। अहं का विसर्जन किए बिना जातीय भेद का अंत नहीं हो सकता। मनुष्य जन्मना मनुष्य का शत्रु नहीं है। एक पेड़ की दो शाखाएं परस्पर विरोधी कैसे हो सकती हैं? फिर भी यह कहा जाता है कि धर्म-संप्रदाय मनुष्यों में मैत्री स्थापित करने के लिए प्रचलित हुए हैं। उनमें जन्मना शत्रुता नहीं है, फिर मैत्री स्थापित करने की क्या आवश्यकता हुई? मैं फिर इस विश्वास को दोहराना चाहता हूं कि मनुष्य-मनुष्य में स्वभावतः शत्रुता नहीं है। वह निहित स्वार्थ वाले लोगों द्वारा उत्पन्न की जाती है। उसे मिटाने का काम धर्म-संप्रदाय ने प्रारंभ किया, किंतु आगे चलकर वे स्वयं निहित स्वार्थ वाले लोगों से घिर गए और मनुष्य को मनुष्य का शत्रु मानने के सिद्धांत की पुष्टि में लग गए। इस चिंतन के आधार पर मुझे लगता है कि सांप्रदायिक समस्या का मूल भी अहं और स्वार्थ को छोड़कर अन्यत्र नहीं खोजा जा सकता। इसलिए सांप्रदायिक वैमनस्य की समस्या को सुलझाने के लिए भी अहं और स्वार्थ का विसर्जन बहुत आवश्यक है।
भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, को भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है।

लोकसभा चुनाव 2024 के बाद आरएसएस की चुनावी रणनीतियां

राम पुनियानी

भाजपा के लिए सन 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजे निराशाजनक रहे। लोकसभा में उसके सदस्यों की संख्या 303 से घट कर 240 रह गई। नतीजा यह कि पिछली बार जहाँ केवल नाम की गठबंधन (एनडीए) सरकार थी वहीं इस बार सरकार वास्तव में एक पार्टी की न होकर गठबंधन की नज़र आ रही है। पिछली और उसकी पिछली सरकारों में गठबंधन दलों की सुनने वाला कोई नहीं था। मगर अब इस बात की काफी अधिक संभावना है कि गठबंधन के साथी दलों की राय ओर मांगों को सरकार सुनेगी और उन पर विचार करेगी। इसके चलते भाजपा अपना हिन्दू राष्ट्रवादी एजेंडा उतनी आसानी से लागू नहीं कर पाएगी, जितना पहले कर लेती थी। इसके अलावा, इंडिया गठबंधन की ताकत में भी इजाफा हुआ है और राहुल गाँधी की लोकप्रियता में भी बढ़ोत्तरी हुई है। विपक्ष अब अपनी बात ज्यादा दमख़म से कह पा रहा है। ऐसा हो सकता है कि पिछली चुनाव में आरएसएस अपनी राजनैतिक संतान भाजपा की मदद के लिए मैदान में न उतरा हो। मगर यह मानना भूल होगी कि वह चुनाव में भाजपा की हार चाहता था। वह केवल भाजपा के 'नॉन-बायोलॉजिकल' नेता को चेतावनी देना चाहता था, उसके बढ़ते वर्चस्व की हवा निकलना चाहता था। मगर भाजपा की गाड़ी का स्टीयरिंग व्हील अब भी आरएसएस के हाथों में है। संघ पिछली सीट पर बैठ कर गाड़ी चला रहा है। आरएसएस और भाजपा नेताओं की लम्बी-लम्बी बैठकें चल रही हैं जिनमें चुनाव नतीजों की विवेचना की जा रही है और भविष्य की रणनीति तैयार हो रही है। उत्तरप्रदेश में ऐसी ही बैठक में आरएसएस के प्रतिनिधिमंडल के नेता सह सरकार्यवाह (संयुक्त महासचिव) अरुण कुमार थे, जो लम्बे समय से संघ और भाजपा के बीच समन्वय का काम करते आ रहे हैं। लाइव हिंदुस्तान के अनुसार, आरएसएस के राम माधव को जम्मू-कश्मीर में हो रहे चुनावों का प्रभार दे दिया गया है। आरएसएस को लगता है कि चुनाव में भाजपा की सीटों में गिरावट का मुख्य कारण है दलित वोटों का इंडिया गठबंधन की ओर खिसक जाना। इससे निपटने के लिए विहिप को सक्रिय किया जा रहा है। उसके कार्यकर्ता दलित बस्तियों में बैठकें करेंगे और दलितों के साथ भोजन करेंगे। दलितों को लुभाने के लिए विहिप से जुड़े साधु-संत उनकी बस्तियों में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित करेंगे। द हिन्दू के अनुसार, ये धार्मिक नेता नियत स्थानों में पदयात्राएं करेंगे, सत्संग और धर्म संसदों का आयोजन करेंगे, दलितों के घरों में जाएंगे और उनके साथ भोजन करेंगे। यह कार्यक्रम विहिप की 9,000 इकाईयों में किए जाएंगे। यह सब हमें राममंदिर आन्दोलन की याद दिलाता है जिसकी नींव विहिप ने रखी थी और बाद में भाजपा ने इस आन्दोलन का मोर्चा सम्हाल लिया था। आरएसएस चालकों (प्रचारकों, स्वयंसेवकों) को प्रशिक्षण तो देता ही था, अब वह बैकसीट ड्राइविंग भी कर रहा है। 2024 के लोकसभा चुनावों के नतीजों ने उसे हिला दिया है और वह भाजपा के खोये हुए वोट बैंक को फिर से हासिल करने के लिए हर संभव प्रयास करने वाला है। चुनाव नतीजों के बाद आरएसएस की सक्रियता से यह जाहिर है कि केवल एक सांस्कृतिक संगठन होने का उसका दावा कितना खोखला है। यह अलग बात है कि इस बार आरएसएस को अपनी राजनैतिक ताकत दूसरी दिशा में लगानी पड़ेगी। राममंदिर आन्दोलन, मंडल से मुकाबला करने के लिए खड़ा किया गया था। मोदी सरकार के दस सालों के दौरान

हिंदुत्ववादी एजेंडा के अनुरूप जम कर काम किया गया। और अब लोगों को ऐसा लग रहा है कि आरएसएस, जो मनुस्मृति और मुसलमानों से नफरत करो के सिद्धांतों पर आधारित है, सामाजिक न्याय के पक्ष में कभी खड़ा नहीं हो सकता। विपक्षी पार्टियों को हिन्दू राष्ट्र की राजनीति के असलियत को समझने में एक लम्बा वक्त लग गया। मोदी-भाजपा के 10 साल लम्बे पक्षपाती और तानाशाहीपूर्ण शासन के बाद विपक्षी पार्टियों ने आरएसएस की राजनीति के से मुकाबला करने के लिए कुछ कदम उठाए हैं। आरएसएस में भी बदलाव आए हैं। उसके द्वितीय सरसंघचालक एम.एस। गोलवलकर ने उनकी पुस्तक व्ही ऑर अवर नेशनहुड डिफाइंड में नाज़ी और फासीवादी विचारधारा का जम कर गुणगान किया था। संघ ने तिरंगे का विरोध किया था और भारत के संविधान का भी। नाथूराम गोडसे द्वारा महात्मा गाँधी की हत्या के बाद आमजनों की निगाहों में आरएसएस की छवि बहुत ख़राब हो गयी थी। यह नियति ही थी कि जयप्रकाश नारायण का संपूर्ण क्रांति आन्दोलन उभरा और उससे आरएसएस को फिर से विश्वसनीयता और स्वीकार्यता हासिल हुई। जेपी प्रतिबद्ध स्वाधीनता संग्राम सेनानी थे मगर फिर भी वे आरएसएस की असलियत को नहीं समझ सके। उन्होंने यहाँ तक कहा कि, अगर आरएसएस फ़ासिस्ट है तो मैं भी फ़ासिस्ट हूँ। नेहरु को आरएसएस की असली प्रकृति की अच्छी समझ थी। दिसंबर 1947 में प्रांतीय सरकारों के मुखियाओं को लिखे गए एक पत्र में नेहरु ने लिखा था, हमारे पास इस आशय के ढेर सारे सुबूत हैं कि आरएसएस की प्रकृति एक निजी सेना जैसी है। वह पूरी तरह से नाजियों की राह पर चल रहा है और नाज़ी संगठनों के तौर-तरीके भी अपना रहा है। आरएसएस की इस असलियत पर बाद की सरकारों ने ध्यान नहीं रखा। इसके अलावा, आरएसएस द्वारा प्रशिक्षित प्रचारकों ने देश की महत्वपूर्ण सामाजिक और राजनैतिक संस्थाओं में घुसपैठ कर ली। भाजपा सरकार के दो कार्यकालों में जनता के एक बड़े तबके और कई राजनैतिक दलों का भाजपा से पूरी तरह मोहभंग हो गया है। उन्हें यह समझ में आ गया है कि नेहरु जो कहते थे, उसमें सच्चाई थी। इसके अलावा, अनेक नागरिक समाज संगठन, जो चुनावों से दूरी बनाये रखते थे, भी जाग उठे हैं। उन्हें यह साफ़ नज़र आ रहा है कि भाजपा-आरएसएस के शासन ने हमारे समाज को इतना नुकसान पहुंचा दिया है कि इंडिया गठबंधन की सारी कमजोरियों के बावजूद अब यह ज़रूरी हो गया है कि प्रजातान्त्रिक और बहुवादी मूल्यों को पुनर्स्थापित करने के उसके अभियान को हर तरह का सहयोग दिया जाए। विभिन्न मुद्दों पर अपने मतभेदों को परे रख, ये संगठन आपस में सहयोग कर रहे हैं ताकि हमारे देश में प्रजातंत्र बचा रहे और बहुवाद फले-फुले। इडूलु कर्नाटक और उसके बाद भारत जोड़ो अभियान इस सहयोग के उदाहरण हैं। यह अहसास केवल राजनीति के क्षेत्र तक सीमित नहीं। हम सब देख रहे हैं कि किस तरह देश में वैज्ञानिक और तार्किक सोच को हतोत्साहित किया जा रहा है और अंधश्रद्धा को बढावा दिया जा रहा है। प्राचीन भारत का अतार्किक महिमामंडन हो रहा है। हमें बताया जा रहा है कि प्राचीन भारत में प्लास्टिक सर्जरी थी। हमें यह भी बताया जा रहा है कि गौमूत्र में सोना होता है और यह भी कि थालियाँ पीटने से कोरोना भाग जायेगा। आईआईटी, जो विज्ञान और तकनीकी के क्षेत्र में देश के सर्वोच्च संस्थान हैं, पंचगव्य की उपयोगिता पर शोध कर रहे हैं. आरएसएस के प्रशिक्षित प्रचारक चारों ओर हैं। मीडिया और सोशल मीडिया के ज़रिये वे प्रतिगामी मूल्यों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। सड़ांध बहुत गहरे तक पहुँच चुकी है। भाजपा को चुनावों में पराजित करना, इस सड़ांध को मिटने की दिशा में पहला कदम है। इसके बाद हमें ऐसी सामाजिक सोच जो बढ़ावा देना होगा जो हमारे स्वाधीनता आन्दोलन के मूल्यों पर आधारित हो। चाहे वह इतिहास हो या विज्ञान या न्याय व्यवस्था, हमें सांप्रदायिक विचारधारा द्वारा बोए गए विषैले पौधों को उखाड़ फेंकना होगा।

मैं हर कदम पर हारा हूँ, पर जन्मा केवल जीत के लिए हूँ।
- एमर्सन
जिसके पास उम्मीद है, वह हार कर भी नहीं हारता।
- अज्ञात

आज का राशिफल

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, भाद्र पद कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्व, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि 30, सोमवासरे, 60 मघा नक्षत्रे, शीश योगे, चातुष्पद करणे, सिंह की चंद्रमा, सोमवती अमावस्या, वट मूले परिक्रमा कुशोष्टमी, अमावस्या तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, तांत्रिक, जिद्दी-हठी, स्वाभिमानी, दाव पेच वाला, तर्क वितर्क करने वाला, बात साख का धनी होगा, उत्तम शासक प्रशासक, वक्ता अधिवक्ता, उत्तमवृत्ति वाला, कमीशन एंजेट, कैशियर होगा।

मेष राशि - समृद्धि एवं सफलता के योग बनेंगे, अनिष्टता से बचने की चेष्टा अवश्य ही करें।
वृष राशि - भाग्य का सितारा प्रबल रहे तथा व्यवसायिक क्षमता अनुकूल होगी, मित्र सहयोग करेंगे।
मिथुन राशि - मानसिक उद्विग्नता से अशांति, अवरोध बढ़ेगा, असमंजस बना रहे, ध्यान रखे।
कर्क राशि - लेन-देन के मामले में हानि होगी, धन फस सकता है, सतर्कता बनाए रखे, लाभ होवेगा।
सिंह राशि - विशेष कार्य स्थिगित रखे, किसी के चंगुल से बचेंगे अधिक उत्सुकता हानिकारक होगी।
कन्या राशि - क्रोध व आवेश से हानि संभव है। मानसिक तनाव तथा बेचैनी अवश्य ही बढ़ेगी।
तुला राशि - सोचे हुये कार्य पूर्ण होंगे, अधिकारियों से समर्थन प्राप्त होगा, विशेष कार्य ध्यान रखे।
वृश्चिक राशि - अनावश्यक वाद-विवाद से बचिये, बिगड़े हुए कार्य बनेंगे, समय व्यवस्था का ध्यान रखे।
धनु राशि - समय अनुकूल नहीं, अधिकारी मित्रों से सर्तक अनावश्यक वाद विवाद से बचकर चले।
मकर राशि - दैनिक समृद्धि के साधन जुटायें, व्यर्थ समय तथा धन नष्ट न करें, ध्यान रखे।
कुंभ राशि - स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लास, समय अनुकूल नहीं, लेन-देन स्थिगित रखे, कार्य समेटे।
मीन राशि - आशानुकूल सफलता से संतोष होगा, कार्यगति में सुधार तथा धन लाभ होगा।

शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने के बाद महाराष्ट्र में सियासी घमासान

सनत जैन

महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने के बाद से राजनीतिक हलचलें बढ़ गई हैं। यह घटना 26 अगस्त 2023 को घटित हुई, उसके बाद से ही राज्य में उथल-पुथल मची हुई है। इस मुद्दे को लेकर महाविकास आघाड़ी आक्रामक मुद्रा में है। भारतीय जनता पार्टी बचाव की मुद्रा में आमने-सामने आकर खड़ी हो गई हैं। महाविकास आघाड़ी ने इस घटना को लेकर राज्यभर में आंदोलन शुरू कर दिया है। 1 सितंबर 2024 को महा विकास अघाड़ी ने मुंबई के हुतात्मा चौक से गेटवे ऑफ इंडिया तक एक विशाल रैली निकाली, जिसमें शरद पवार, उद्धव ठाकरे और नाना पटोले जैसे बड़े नेताओं ने हिस्सा लिया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने को शिवाजी महाराज के अपमान और भ्रष्टाचार से जोड़कर विपक्ष सरकार और प्रशासन पर दबाव बना रहा है। प्रतिमा निर्माण प्रक्रिया में भ्रष्टाचार हुआ, अनियमितताएं बरती गईं, जिस कारण यह दुर्घटना हुई। कुछ ही दिनों में महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव होने हैं। जिसके कारण जवाब में बीजेपी को भी मैदान में उतरना पड़ा है। मुंबई में भाजपा ने दादर ईस्ट से अपना विरोध प्रदर्शन शुरू किया। भाजपा का आरोप है, कि महाविकास अघाड़ी इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रही है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और भाजपा के नेता देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महाविकास आघाड़ी शिवाजी महाराज के नाम पर राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा इस मामले में पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार माफी मांग चुके हैं। राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच यह मामला महाराष्ट्र के चुनाव में एक महत्वपूर्ण असर डालने वाला होगा। विधानसभा चुनावों के निकट आते ही इस घटना से महाराष्ट्र की राजनीति में तूफान आ गया है। एनडीए के घटक दल शिवसेना (एकनाथ शिंदे) राकापा के (अजीत पवार) और भारतीय जनता पार्टी के सामने एक नई मुसीबत खड़ी हो गई है। महाराष्ट्र में शिवाजी महाराज का विभिन्न समुदायों के बीच गहरी आस्था और सम्मान है। चुनाव के ठीक पहले उनकी मूर्ति का गिर जाना अशुभ माना जा रहा है। मूर्ति बनाने में जो भ्रष्टाचार हुआ है। उसको लेकर विपक्ष शिवाजी महाराज के मान अपमान से जोड़ते हुए सत्ता पक्ष पर आरोप लगा रहे है। सत्ता पक्ष के लोग सत्ता और भ्रष्टाचार के लिए भगवान और देवता को भी नहीं छोड़ते हैं। इस तरह के आरोप लगाकर विपक्ष सरकार और भाजपा पर हमलावर है। महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में यह आरोप भाजपा को भारी पडते हुए दिख रहे हैं। ऐसी स्थिति में यह मामला आने वाले दिनों में और भी गहराएगा। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ओर एनडीए के सहयोगी दलों को भारी नुकसान होने की आशंका वक्त की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने पर शिवाजी महाराज को देवता बताते हुए सार्वजनिक रूप से मस्तक झुका कर माफी मांगी है। आमतौर पर प्रधानमंत्री जल्द माफी नहीं मांगते हैं। उन्होंने अभी तक केवल एक बार किसानों से माफी मांगी है। उसके बाद शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने के बाद जिस तरह से उन्होंने माफी मांगी। लगता था, यह मामला ठंडा पड़ जाएगा। लेकिन यह मामला ठंडा पड़ने के स्थान पर दिनों-दिन और भी गर्म होता जा रहा है। इसके पीछे एक ही कारण है। जल्द ही महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। चुनाव में शिवाजी महाराज को लेकर विपक्ष के पास सत्ता पक्ष पर भावात्मक रूप से जोरदार हमला करने का मौका मिल गया है। चुनाव जीतने के लिए विपक्ष के हाथ में एक तुरुप का पत्ता लग गया है। इसका लाभ विपक्ष को महाराष्ट्र की राजनीति में होता हुआ दिख रहा है। इस घटना से इतना तो तय हो गया है, यह समय भाजपा के लिए अच्छा नहीं है।

प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से तीन वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई

विनोद कुमार सिंह

"राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र आधुनिक ट्रेनों,एक्सप्रेसवे के नेटवर्क और हवाई सेवाओं के विस्तार के साथ देश के इंफ्रास्ट्रक्चर को बदलने के लिए पीएम गतिशक्ति के विजन का एक उदाहरण बन रहा है-नरेन्द्र मोदी भारत रेलवे नित्य नवीन अपना स्वर्णिम इतिहास लिखने को आतुर है। जैसा कि सर्वविदित है भारत रेल विश्व की सबसे सुगम , सस्ती व सुरक्षित यातायात के लिए प्रसिद्ध है। जिसकी चहुँ दिशाओं में चर्चा हो रही है।खास कर भारतीय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नवीन इतिहास बना रही है। भारतीय इतिहास मे अगस्त माह स्वतंत्रता प्राप्ति के जाना जाता है। इसी अगस्त के अन्तिम दिवस 31अगस्त को भारतीय रेलवे के इतिहास के स्वर्णिम अध्याय में जुड़ गया जब स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तीन वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई।सर्व विदित रहे कि ये तीनों अत्याधुनिक वंदे भारत एक्सप्रेस तीन मार्गों -मेरठ से लखनऊ,मदुरै से बेंगलुरु और चेन्नई से नागरकोइल पर चलाई जायेगी। जो उत्तर प्रदेश,तमिलनाडु और कर्नाटक में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देंगी।परिणाम स्वरूप उत्तर से दक्षिण तक भारत की विकास यात्रा में एक नया अध्याय लिखा जा रहा है।आज देश में वंदे भारत ट्रेनों के आधुनिकीकरण और विस्तार के साथ राष्ट्र विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है।मंदिरों का शहर मदुरै अब आई टी सिटी बेंगलुरु से जुड़ने से ना केवल संपर्क आसान होगा,बल्कि तीर्थयात्रियों के लिए भी खासकर सप्ताहांत या त्योहारों के दौरान यह बहुत फायदेमंद होगा।वही चेन्नई-नागरकोइल मार्ग से छात्रों,किसानों और आईटी पेशेवरों को बहुत लाभ होगा।यह क्षेत्र में व्यवसायों और रोजगार के अवसरों के विकास का प्रतीक है।इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए दक्षिण के राज्यों का तेज विकास बहुत जरूरी है।उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के साथ-साथ पूरे दक्षिण भारत का विकास सरकार की प्राथमिकता है।आज के बाद तमिलनाडु में वंदे भारत ट्रेनों की कुल संख्या 8,कर्नाटक को 8 वंदे भारत ट्रेनें जोड़ रही हैं।वंदे भारत की श्रंखला में मेरठ-लखनऊ रूट पर नई वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत पर प्रकाश डालते हुए पश्चिमी उत्तर प्रदेश के क्रांति की धरती मेरठ और पश्चिमी उत्तर प्रदेश का क्षेत्र आज विकास की नई क्रांति का गवाह बन रहा है।प्रधानमंत्री ने लोगों का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि आरआरटीएस ने जहां मेरठ को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली से जोड़ने में मदद की है,वहीं अब वंदे भारत की शुरुआत से राज्य की राजधानी लखनऊ की दूरी भी कम हो

गई है। मोदी ने कहा, "राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) इस बात का उदाहरण बन रहा है कि कैसे पीएम गतिशक्ति का विजन आधुनिक ट्रेनों, एक्सप्रेसवे के नेटवर्क और हवाई सेवाओं के विस्तार के साथ देश के इंफ्रास्ट्रक्चर को बदल सकता है।" उन्होंने कहा कि"वंदे भारत आधुनिक होती भारतीय रेलवे का नया चेहरा है।"हर शहर और हर मार्ग पर वंदे भारत की मांग को लेकर कहा कि हाई-स्पीड ट्रेनों के आगमन से लोगों में अपने व्यवसाय और रोजगार के साथ-साथ अपने सपनों को भी विस्तार देने का विश्वास पैदा हुआ है।आज देशभर में 102 वंदे भारत रेल सेवाएं संचालित की जा रही हैं और इन ट्रेनों में अब तक 3 करोड़ से अधिक लोग यात्रा कर चुके हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ये संख्या न केवल वंदे भारत ट्रेनों की सफलता का प्रमाण है,बल्कि भारत की आकांक्षाओं और सपनों का भी प्रतीक है। आधुनिक रेल इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित भारत के विजन का एक मजबूत स्तंभ है। रेल लाइनों के दोहरीकरण और विद्युतीकरण,नई ट्रेनों के संचालन और नए मार्गों के निर्माण के संदर्भ में बताते हुए कहा कइस साल के बजट में रेलवे को 2.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक आवंटित किए गए हैं और सरकार भारतीय रेलवे को इसकी पुरानी छवि को बदलने के लिए उच्च तकनीक सेवाओं से जोड़ रही है।विस्तार योजनाओं के बारे में अपने संबोधन में कहा कि वंदे भारत के साथ-साथ अमृत भारत ट्रेनों का भी विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने लोगों की सुविधा के लिए नमो भारत ट्रेनें चलाने और शहरों में यातायात की समस्याओं से निपटने के लिए जल्द ही वंदे मेट्रो शुरू करने की बात कही।भारतीय शहरों की पहचान हमेशा से उनके रेलवे स्टेशनों से रही है।उन्होंने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना से रेलवे स्टेशनों में सुधार हो रहा है और शहरों को नई पहचान मिल रही है। देश में 1300 से अधिक रेलवे स्टेशनों का नवीनीकरण किया जा रहा है,जिनमें से कुछ को हवाई अड्डों की तरह बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, छोटे से छोटे स्टेशनों को भी अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ विकसित किया जा रहा है,जिससे यात्रा की सुगमता बढ़ेगी।जब रेलवे,सड़क और जलमार्ग जैसे कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत किया जाता है, तो देश मजबूत होता है।

इस लिंचिंग पर भी बोलना पड़ेगा आपको

राकेश अचल

अक्सर मेरे तमाम मित्र मुझसे हिंसा और बलात्कार की हर वारदात पर लिखने की अपेक्षा रखते है। अधिकांश अंधभक्तों की अपेक्षा होती है कि कोई लेखक हो,विपक्ष का नेता हो वो सबसे पहले हिन्दुओं पर बोले,बंगाल पर बोले लेकिन उत्तरप्रदेश या डबल इंजिन की सरकार वाले किसी सूबे के बारे में न बोले। लेकिन हमारी कोशिश होती है कि जहां बोलना जरूरी है ,कम से कम वहां जरूर बोला जाये। मिसाल के तौर पर आज हमें हरियाणा में हुई लिंचिंग की ताजा वारदात पर बोलना पड़ रहा है ,क्योंकि हम जानते हैं कि इस वारदात को लेकर कोई सत्तारूढ़ दल शायद ही बोले। हरियाणाके चरखी दादरी में गोरक्षक समूह की दरिंदगी सामने आई है। यहां एक शख्स की गोमांस खाने के शक में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इस तरह की वारदात को अंग्रेजी वाले लिंचिंग कहते हैं। इस घटना के कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिसमें गोरक्षक दल के युवक दो लोगों के साथ बेरहमी से मारपीट करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान कुछ लोग हस्तक्षेप भी करते हैं, लेकिन गोरक्षक किसी की नहीं सुनते। यह लोमहर्षक वारदात 27 अगस्त की है, जिसमें एक शख्स की मौत हो गई तो दूसरा गंभीर रूप से घायल है.। पुलिस पूरे एक महीना इस वारदात पर पर्दा डाले रही। हालाँकि पुलिस ने बाद में इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है. साथ ही दो किशोरों को भी पकड़ा गया है. पुलिस के मुताबिक, चरखी दादरी जिले के बाढड़ा में कुछ युवकों ने गोमांस बनाकर खाने और बेचने के आरोप में कबाड़ बेचने वाले एक प्रवासी मजदूर की डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। युवक की पहचान 26 साल के साबिर मलिक के रूप में की गई है। साबिर बाढड़ा में झुग्गी झोपड़ी बनाकर रह रहा था। परिजनों का आरोप है कि कबाड़ बेचने का बहाना बनाकर उन्हें बुलाया गया और फिर इस वारदात को अंजाम दिया गया। हरियाणा के संवेदनशील मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री नायब सैनी ने चरखी दादरी की घटना की निंदा की है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की बातें ठीक नहीं है। गौ माता की सुरक्षा के लिए हमने कानून बनाया है। लेकिन उन्होंने बड़ी ही मासूमियत से ये भी कह दिया कि गांव के लोगों को जब पता लगता है कि ऐसा हो रहा है तो उन्हें कौन रोक सकता है ? यानि ऐसी वारदातों को सरकार का परोक्ष रूप से संरक्षण है ! धुले में रहने वाले 72 वर्षीय बुजुर्ग अशरफ अली सय्यद हुसैन खुश नसीब थे जो उनकी जान बच गयी। वे अपनी बेटी से मिलने के लिए जलगांव से कल्याण जाने के लिए धुले सीएसएमटी एक्सप्रेस में सवार थे। उन्हें भी लोगों ने बीफ ले जाने के संदेह में धुन दिया। गनीमत है कि उनकी जान बच गयी। इस मामले में ठाणे जीआरपी में एफआईआर दर्ज करने के लिए

रेलवे के पुलिस कमिश्नर ने आदेश दिए थे, जिसके बाद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस की मानें तो धुले एक्सप्रेस ट्रेन में पहले सीट को लेकर लड़ाई हुई और फिर उन पर बीफ लेकर यात्रा करने का आरोप लगाकर पिटाई की गई। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों की पहचान कर ली है, जो धुले के रहने वाले हैं. पुलिस की टीम उनकी तलाश करने धुले भेजी गई है। एक ही मिजाज की ये दो वारदातें इस बात को प्रमाणित करतीं है कि समाज में सियासत ने नफरत के जो बीज दस साल पहले बोये थे वे अब फलने-फूलने लगे हैं। अल्पसंख्यकों को बहुसंख्य समाज अपना दुश्मन नंबर एक समझने लगा है। अल्पसंख्यक क्या खाएं, क्या पहने, कहाँ जाएँ या न जाएँ ये सब सियासत तय करना चाहती है। असम में विधानसभा में सौ साल से विधानसभा में नमाज के लिए दिया जाने वाला ब्रेक भी असम की सरकार ने बंद कर दिया। ये सरकार की और से की गयी भावनात्मक लिंचिंग नहीं तो और क्या है ? लेकिन इन तमाम मुद्दों पर वो भाजपा मौन है जो कोलकाता में एक महिला चिकित्सक की हत्या और बलात्कार के मामले को लेकर सिर पर आसमान उठाये हुए है। यानि भाजपा के लिए लिंचिंग कोई मुद्दा नहीं है। अल्पसंख्यकों कोई सुरक्षा कोई मुद्दा नहीं है। मणिपुर की हिंसा कोई मुद्दा नहीं है ,लेकिन यदि मुद्दा है तो कोलकाता में महलाओं की सुरक्षा। देश में महिला सुरक्षा को लेकर जो रुख बंगाल को लेकर है वो उत्तरप्रदेश,हरियाणा,महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश में होने वाली वारदातों को लेकर क्यों नहीं है ? प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि , न्याय में देरी को खत्म करने के लिए बीते एक दशक में कई स्तर पर काम हुए हैं। पिछले 10 वर्षों में देश ने न्यायिक बुनियादी ढांचा के विकास के लिए लगभग 8 हजार करोड़ रुपए खर्च किए हैं। मोदी जी का दावा है कि पिछले 25 साल में जितनी राशि न्यायिक बुनियादी ढांचा पर खर्च की गई, उसका 75 प्रतिशत पिछले 10 वर्षों में ही हुआ है। वे हरियाणा की लिंचिंग पर कुछ न बोलते हुए कहते हैं कि महिलाओं के खिलाफ अत्याचार, बच्चों की सुरक्षा, समाज की गंभीर चिंता है। देश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई कठोर कानून बने हैं, लेकिन हमें इसे और सक्रिय करने की जरूरत है। महिला अत्याचार से जुड़े मामलों में जितनी तेजी से फैसले आएंगे, आधी आबादी को सुरक्षा का उतना ही बड़ा भरोसा मिलेगा। प्रधानमंत्री जी कभी झूठ नहीं बोलते । वे जो कह रहे हैं वो सोलह आना सच होगा ही, उनकी पार्टी की सरकारों ने तो बुलडोजर संहिता लागू कर अदालतों का काम भी सरकारों को करने की छूट दे दी है। भाजपा शासित राज्यों में तो अदालतों कि फैसले आने से पहले ही सरकार आरोपियों कि घर-मकान,दुकाने, जमींदोज कर देतीं हैं ,लेकिन महिलाओं,बच्चों और अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हैं की रुकने का नाम ही नहीं ले रहे। यानि बुलडोजर संहिता भी नाकाम हो गयी। आने वाले दिनों में क्या होगा ,ये कहना कठिन है। अभी तो जान के लाले पड़े हुए हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

शरीर के हाव-भाव हमारे व्यक्तित्व का आइना होते हैं। हमारे ड्रेस सेंस से लेकर खाने-पीने, उठने-बैठने, चलने से तरीकों से लोग हमारे बारे में काफी कुछ समझ सकते हैं। हमारे शरीर के हाव-भाव हम ऐसे रखें कि हमारा व्यक्तित्व तो निखरे ही साथ हमारी प्रोफेशनल लाइफ में भी इसका फायदा हमें मिले। आइए जानते हैं साइकोलॉजी एक्सपर्ट्स से व्यक्तित्व विकास के कुछ गुर

कैसा हो आपकी बॉडी लैंग्वेज

यदि आप किसी इंटरव्यू के लिए जाएं या अपने ऑफिस जाएं तो आत्मविश्वास के साथ प्रवेश करें। आपकी चाल में किसी प्रकार का बनावटीपन नहीं होना चाहिए। इसका यह मतलब कतई नहीं कि आप तनकर चलें। आपकी चाल सामान्य होनी चाहिए। साथ ही आपके चेहरे पर हल्की-सी मोहक मुस्कान होनी चाहिए।

बात करते समय नाखून काटना, पेन का ढक्कन खोलना, बंद करना, बालों पर हाथ फेरना, हाव-भाव बदलना आपके आत्मविश्वास की कमी को दर्शाते हैं। ऐसा शारीरिक हाव-भाव बनाइए, जिससे आपसे मिलने वाले व्यक्ति को खुशी मिल सके। अपने व्यक्तित्व को ऐसा महका कर रखिए जिससे उसकी खुशबू से सामने वाला आपके पास खींचा चला आए।

कुछ कहती हैं आंखें

कहते हैं आंखों के रास्ते किसी के भी दिल में उतरा जा सकता है। प्रोफेशनल फील्ड में आंखों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यदि अपने से उच्च अधिकारी से बात कर रहे हों तो आंखें से आखें मिलाकर बात करें।

इसका अर्थ यह नहीं कि घूरें या एकटक लगाए देखें, पलक झपका कर आंखों से आंखों का संपर्क बनाएं रखें। बात करते समय इधर-उधर न देखें न ही मोबाइल या अन्य चीजों से खेलें। अक्सर आपने देखा होगा लोग बातें करते समय अन्य चीजों को देखते हैं। ऐसा कतई न करें। ऐसा करना आपमें आत्मविश्वास की कमी को दर्शाता है।

न अपनाएं इशारों की भाषा

अक्सर देखा जाता है कि लोग शब्दों से कम और इशारों से ज्यादा बोलते हैं। बातचीत के दौरान हाथ हिलाकर अपनी बात समझाना, किसी बात पर बुरा लगने पर मुंह बिचकाना, आंखों से इशारा कर किसी को बुलाना आदि ऐसी आदतें हैं जो बुरी आदतें हैं और व्यक्तित्व में आपकी कमी को दर्शाती हैं। अपनी आवाज में उतार-चढ़ाव पर ध्यान दें। बिना रुके तेज बोलते चले जाना आप में मौजूद उतावलेपन को दर्शाता है। इससे सामने वाले व्यक्ति पर आपका प्रभाव भी कम होगा। जब भी बात करें, दिल और दिमाग को साथ में रखकर करें। आपकी बातें ऊर्जा से भरपूर हो, इसका यह अर्थ नहीं कि जोर चिल्लाकर बोलें, शांतिपूर्वक और शब्दों के स्पष्ट उच्चारण के साथ बात करें। हाथ बांधकर या जेब में हाथ डालकर बात करने वाले को कॉर्पोरेट सेक्टर में रिजर्व व्यक्ति कहा जाता है। अगर दुनिया को जीतना है तो दोनों हाथ खोलकर बात करें।

कैसा हो पहनावा

आपकी शरीर की बनावट के अनुसार उचित वेशभूषा आपकी पर्सनालिटी को परफेक्ट बनाती है। आपका ड्रेसिंग सेंस ही आपका फर्स्ट इंम्प्रेशन होता है। कपड़े खुद की पसंद के पहनें और इस आत्मविश्वास के साथ पहनें कि आप उसमें अच्छे लग रहे हैं। यह भी आपके आत्मविश्वास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण होगा। परिस्थिति और जगह के अनुसार कपड़े पहने। यदि आप किसी कॉर्पोरेट पार्टी में जा रहे हैं तो ट्राउजर्स आपके लिए सही चुनाव होगा। डीजे पार्टी में जींस आप पहन सकते हैं। जो भी पहने, व्यवस्थित पहनें। पहनावा ऐसा हो कि आपके आत्मविश्वास से भरे एटीट्यूट को दर्शाएं।

बनाकर रखें दूरी

किसी से बात करते समय इतनी दूरी बनाकर रखें कि सामने वाला आपसे घबराए नहीं अक्सर देखा जाता है कि लोग बात करते समय कंधे पर हाथ रख देते हैं या फिर छूकर बात करते हैं। यह अशोभनीय व्यवहार कहलाता है। आपने अक्सर देखा होगा जब दो देशों के डेलीगेट्स मिलते हैं तो एक ही सोफे के दो कोनों पर बैठते हैं। यह कंधों से कंधों की दूरी बताती है कि दो व्यक्ति आपस में भावनात्मक तरीके से जुड़े हैं। बातचीत के दौरान छूकर बात करने से बचें।

ये कुछ ऐसी बातें हैं जिन्हें ध्यान में रख अपना व्यक्तित्व ऐसा बनाएं कि हर कोई आपसे मिलने के बाद कहे- व्हॉट ए पर्सनालिटी।

लाइफ में मैनेजमेंट जरूरी है

कैरियर में कामयाब होना और जीवन में कामयाब होना दो बिल्कुल अलग-अलग बाते हैं। आप ऐसे कई लोगों को जानते होंगे, जो अच्छी खासी आमदनी के बावजूद पैसों के लिए परेशान रहते हैं- वजह होती है मनी मैनेज करने का सही ढंग न होना।

जीवन में सफलता के लिए गुड लाइफ मैनेजर होना भी उतना ही जरूरी है जितना कि कामयाब एक्जीक्यूटिव होना। सवाल है लाइफ को कैसे कामयाबी के साथ मैनेज करें? पेश हैं इस संबंध में पांच खास टिप्स।

अंग्रेजी की कहावत है नो रिस्क नो गेन। जी हां, भविष्य के लिए जब निवेश की बात आए तो थोड़ा साहसी होना जरूरी है, लेकिन साहसी होने का मतलब दु:साहसी होना कतई नहीं है। कहने का मतलब यह कि निवेश करते समय उम्र का भी ध्यान रखें।

यदि आप युवा हैं तो संभव है घाटा उठाने के बाद दोबारा नई शुरुआत कर सकें, लेकिन यदि आप 40 की बाउंड्री पार कर चुके हैं, तो समझिए घाटा उठाकर उबरना थोड़ा मुश्किल है। इसलिए किसी भी तरह के इन्वेस्टमेंट से पहले उसके बारे में रिसर्च कर लें, लाभ कितना होगा, यदि घाटे में रहेंगे तो कितना घाटा होगा।

ऐसा नहीं है कि 40 की उम्र के बाद झटका खाने वाले हमेशा हथियार ही डाल देते हों, लेकिन औसतन इस उम्र के बाद क्षमता और हौसले दोनों में गिरावट आती है तो लॉ ऑफ एवरेज के हिसाब से यह उम्र रिस्क लेने की नहीं है।

कहते हैं अगर सही आदमी सही जगह हो, तो सफलता खुद चलकर उस तक आती है। जी हां, देखा गया है कि जब कोई व्यक्ति वह काम करता है जो उसकी हॉबी होती है तो वह बेहद कामयाब होता है फिर चाहे उसका बैकग्राउंड कुछ भी हो। अमिताभ बच्चन की हॉबी थी अभिनय और सचिन तेंडुलकर की हॉबी थी क्रिकेट आगे की कहानी हम सभी जानते हैं।

क्या आपको नहीं है अपनी नौकरी से प्यार?

हर किसी को अपनी मनपंसद नौकरी नहीं मिलती है। अगर मनपसंद जॉब नहीं भी मिली है तो घबराइए नहीं, उसे अपने अनुकूल बनाने के प्रयास कीजिए।

हो सकता है शुरुआत में आपको थोड़ी परेशानी आए लेकिन धीरे-धीरे परिस्थितियों में सुधार आने लगता है और आप उन परिस्थितियों के अनुकूल होने लगते हैं।

इन बातों का ध्यान रख आप नौकरी में बेहतर परफॉर्मेंस दे सकते हैं-

- किसी भी नौकरी में यदि आपको टेंशन है तो उससे भागे नहीं, बल्कि परिस्थितियों का सामना करें।
- अपने जॉब के लिए खुद को बेहतर बनाने की तैयारी करें।
- मल्टीस्किल बनें लेकिन किसी भी व्यक्ति का सॉफ्ट टारगेट न बनें।
- जो जॉब प्रोफाइल आपके लिए नहीं बनी उसमें जाने का निर्णय न लें।
- हर बार आपको आपके मुताबिक जॉब प्रोफाइल नहीं मिल सकती।
- मल्टीस्किल होने से आप टीम में रहकर भी पहचान पा सकते हैं।
- किसी भी समस्या में सीधे अपने बड़े अधिकारी या बॉस से बातचीत करें।
- अपने सीनियर्स से अपना कम्युनिकेशन बेहतर रखें।

याद रखिए एक नौकरी के साथ आप आर्थिक व भावनात्मक रूप से जुड़े होते हैं। अपने कार्यस्थल पर जब जाएं तो घर की समस्याओं को दिमाग में रखकर कार्य न करें। कार्य में अपना सौ प्रतिशत देकर कार्य करें।

इंटरव्यू में ये टिप्स अपनाएं, सफलता पाएं

इंटरव्यू के लिए अक्सर यंगस्टर्स कपड़ों से लेकर बायोडाटा तक की तैयारी का ध्यान रखते हैं। अगर इंटरव्यू पहली बार हो तो तैयारी बहुत मायने रखती है। कुछ ऐसे टिप्स हैं जिन पर अगर आपने अमल किया तो आपका इंटरव्यू आपको सफलता दिलवा सकता है।

कंपनी के बारे में रिसर्च

जिस कंपनी में आप नौकरी के लिए इंटरव्यू देने जा रहे है उसके बारे में जितनी भी जानकारी जुटा सकें जुटा लें। कंपनी के उत्पाद या सेवा के बारे में, कंपनी की ग्रोथ के बारे में। कंपनी की वेबसाइट से जरूरी जानकारी लें।

जवाबों की तैयारी

इंटरव्यू के दौरान कुछ सवाल ऐसे होते हैं जिनके पूछे जाने की संभावना अधिक रहती है। जैसे आपने पहले कहां नौकरी की थी या आपके पास कितना व कैसा एक्सपीरिएंस है या अपने बारे में कुछ बताएं आदि। इन प्रश्नों के अलावा कुछ टेक्निकल सवाल भी हो सकते हैं जिनका संबंध आपकी पढ़ाई से हो सकता है। इन सवालों के जवाब पहले से तैयार कर लें और हो सके तो एक बार इसकी तैयारी भी कर लें। याद रखें इंटरव्यू में बिना तैयारी के बिल्कुल न जाएं।

चेक लिस्ट बनाएं

इंटरव्यू के दौरान लगने वाले कागजात, सर्टिफिकेट आदि की चेक लिस्ट बनाकर रखें। कई बार इंटरव्यू में प्रेजेंटेशन भी देना पड़ता है। ऐसे में इस प्रेजेंटेशन के लिए पहले से इसे सीडी व पेन ड्राइव में जरूर रख लें।

समय से पहले ही पहुंचे

इंटरव्यू के स्थान पर वक्त से पहले पहुंचें। हो सके तो आधा घंटा वहां बिताएं ताकि आप उस माहौल में अपने आपको सही तरीके से ढाल सकें और इंटरव्यू के दौरान आप नर्वस न हो।

पॉजीटिव रहें

मन में ऐसा कोई डाउट बिलकुल भी न रखें कि आप इंटरव्यू अच्छा नहीं दे पाएंगे। पॉजिटिव एप्रोच बनाए रखें।

कपड़ों का सिलेक्शन

ज्यादातर इंटरव्यू के दौरान फॉर्मल कपड़े ही पसंद किए जाते हैं। इस बात का ध्यान जरूर रखें कि आपका पहनावा सबकुछ नहीं, पर बहुत कुछ है। इस कारण आपकी पर्सनलिटी को सूट करे, ऐसे ही फॉर्मल कपड़े सिलेक्ट करें।

खुशमिजाजी

आपका खुशमिजाज होना इंटरव्यू के दौरान के माहौल को काफी खुशनुमा बना देगा। इसके अलावा आपकी मधुर मुस्कान, हाथ मिलाने का तरीका, आंखें भी आपकी पर्सनालिटी का हिस्सा है और अगर इसका इस्तेमाल आपने सही तरीके से कर दिया तब आपका इंप्रेशन काफी अच्छा पड़ सकता है।

बीच में न टोकें

अक्सर यह देखने में आता है कि इंटरव्यू पेनल के मेम्बर्स एक से ज्यादा होते हैं। मेम?बर्स एक के बाद एक प्रश्न पूछते हैं। इस बात का ध्यान जरूर रखें कि आप सभी सदस्यों से मुखातिब होते हुए सवालों का जवाब दें और कभी भी इंटरव्यू लेने वाले को बीच में न टोकें।

शिकायत न करें

इंटरव्यू में इस बात का ध्यान जरूर रखें कि अगर आप कोई नौकरी छोड़कर आए हैं, तो उस ऑर्गनाइजेशन की बुराई बिलकुल भी न करें।

रूट इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा शतक बनाने वाले बल्लेबाज बने

कुक को पीछे छोड़ा

लॉर्ड्स। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने श्रीलंका के खिलाफ यहां खेले जा रहे क्रिकेट टेस्ट मैच की दूसरी पारी में भी शतक लगाकर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही रुट के नाम अब 34 शतक हो गये हैं और वह इंग्लैंड की ओर से टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले ये रिकार्ड एलिस्टर कुक के नाम था। कुक के नाम 33 शतक हैं। अब रुट टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं। रुट ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरी पारी में 121 गेंदों पर 103 रन वना दिये। वहीं पहली पारी में रूट ने 143 रन बनाये थे। रूट की 103 रन की पारी से इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 251 रन बनाए। इससे इंग्लैंड ने श्रीलंका को जीत के लिए 483 रन का लक्ष्य दिया। रूट अब लॉर्डस के मैदान में सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। इस ऐतिहासिक मैदान पर उन्होंने सातवां शतक लगाया है। इस प्रकार उन्होंने इस मैदान पर छह शतक लगाने वाले अपने ही देश के पूर्व क्रिकेटरों माइकल वॉन और ग्राहम गूच को पीछे छोड़ दिया है। रूट ने 145वें मैच में करियर का 34वां शतक लगाया जबकि कुक ने अपने 33 शतक के लिए 161 टेस्ट खेले थे। रूट ने इसके अलावा इंग्लैंड की ओर से 50 अर्धशतक भी लगाये हैं। इस साल वह अभी तक सबसे ज्याद चार शतक बनाने में सफल रहे हैं। जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट में अब तक 200 कैच पकड़े हैं। इस प्रकार वह 200 कैच के क्लब में शामिल होने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले भारत के राहुल द्रविड़ के नाम 210 कैच जबकि श्रीलंका के महेला जयवर्धने के नाम 205 कैच हैं।

हॉकी इंडिया बेरोजगार खिलाड़ियों को देगा 2 लाख रुपये की वित्तीय सहायता

लखनऊ। हॉकी इंडिया की रविवार को लखनऊ में हुई वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में करियर बनाने में आर्थिक मदद के लिए भारतीय पुरुष और महिला कोर संभावित समूह के उन सदस्यों को 2 लाख रुपये का अनुदान देने का निर्णय लिया है, जिन्हें अभी तक सरकारी विभागों या सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों (पीएसयू) में नौकरी नहीं मिली है। बैठक के बाद हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा कि अधिकांश हॉकी खिलाड़ियों को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उनके प्रदर्शन के आधार पर पीएसयू और सरकारी विभागों से नौकरी दिए जाने की परंपरा रही है लेकिन हमारे ध्यान में लाया गया है कि सीनियर कोर ग्रुप में शामिल कुछ नए खिलाड़ी, खास तौर पर महिला खिलाड़ी बेरोजगार हैं। एजीएम में ऐसे हॉकी खिलाड़ियों को वित्तीय सहायता देने के लिए हर साल 2 लाख रुपये का अनुदान देने का निर्णय लिया गया है, ताकि उन्हें या उनके परिवारों को गुजारा करने के लिए संघर्ष न करना पड़े। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने बताया कि वार्षिक आम बैठक में राष्ट्रीय खिलाड़ियों की मदद से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। हमने आगामी हॉकी इंडिया लीग पर भी चर्चा की और हम आने वाले हफ्तों में कुछ रोमांचक घोषणाएं करेंगे। हॉकी इंडिया की वार्षिक आम बैठक पहली बार लखनऊ में आयोजित की गई। इससे एक दिन पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हॉकी इंडिया की 31 राज्य सदस्य इकाइयों और हॉकी इंडिया कार्यकारी बोर्ड के सदस्यों के प्रतिनिधियों की लखनऊ में अपने आवास पर चाय पर मेजबानी की, जिसमें अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की, महासचिव भोला नाथ सिंह और कोषाध्यक्ष शेखर जे मनोहरन शामिल हुए थे। इस बैठक में उत्तर प्रदेश में हॉकी को आगे बढ़ाने के लिए चर्चा की गई, जो राज्य में खेल को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पेरिस पैरालंपिक : क्वार्टर फाइनल में हारीं मनदीप कौर और पलक कोहली

पेरिस। भारत के लिए पेरिस पैरालंपिक 2024 में रविवार चौथे दिन की शुरुआत अच्छी नहीं हुई है। भारतीय पैरा शटलर मनदीप कौर एवं पलक कोहली अपना-अपना क्वार्टर फाइनल मैच हार गई हैं। इसकी के साथ दोनों खिलाड़ियों का पेरिस पैरालंपिक में सफर समाप्त हो गया है। रविवार को मनदीप कौर महिला एकल एसएल3 वर्ग के क्वार्टरफाइनल मैच में नाइजीरिया की खिलाड़ी मरियम बोलाजी से हार गई। मैच में मनदीप शुरुआत से लय में नहीं दिखीं। नाइजीरिया की मरियम बोलाजी ने आसानी से पहला गेम 21-8 से अपने नाम किया। इसके बाद दूसरे गेम में भी मनदीप वापसी नहीं कर सकीं और नाइजीरियाई खिलाड़ी ने यह गेम भी 21-9 से जीत लिया। इस तरह नाइजीरियाई खिलाड़ी ने मनदीप को 21-8, 21-9 से सीधे सेटों में आसानी से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। मनदीप के बाद पैरा शटलर पलक कोहली भी महिला एकल एसएल4 वर्ग के क्वार्टर फाइनल मैच में हार गईं। उन्हें इंडोनेशिया की एथलीट सदियाह खलीमातुस ने 21-19, 21-15 के सीधे सेटों में हरा दिया है। इस साल भारत ने पैरालिंपिक में अब तक का अपना सबसे बड़ा दल भेजा है, जिसमें 12 खेलों के 84 एथलीट शामिल हैं। भारत अब तक पेरिस पैरालंपिक में एक स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य समेत कुल पांच पदक अपने नाम कर चुका है।

थके हुए श्रीलंकाई आक्रमण का फायदा उठाए इंग्लिश बल्लेबाज

इयोन मोर्गन की टीम खिलाड़ियों को सलाह

नई दिल्ली। इंग्लैंड के वनडे विश्व कप 2019 विजेता कप्तान इयोन मोर्गन ने लॉर्ड्स में दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन मेजबान टीम के बल्लेबाजी क्रम से अधिक रन आने की भविष्यवाणी की। इंग्लैंड ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक एक विकेट पर 25 रन बना लिए थे और अब उसके पास श्रीलंका के खिलाफ तीसरे दिन का खेल शुरू होने से पहले 256 रनों की विशाल बढ़त हासिल है। खासकर श्रीलंका को 196 रनों पर आउट करने के बाद मुकाबले पर इंग्लिश टीम की पकड़ मजबूत है। मुझे एक अवसर दिखाई देता है, चाहे वह सुबह का समय हो या दोपहर का, इंग्लिश बल्लेबाज थके हुए श्रीलंकाई आक्रमण का फायदा उठा सकते हैं। करीब 100 ओवरों की कड़ी मेहनत के बाद फिर गेंदबाजी करना आसान नहीं है। मॉर्गन ने कहा, केवल एक चीज जो खेल को प्रभावित कर सकती है, वह बारिश की आशंका और मौसम भी थोड़ा ठंडा है। लेकिन मुझे लगता है कि जब जो रूट मैदान पर और मध्यक्रम मजबूत होगा, तब हैरी ब्रूक पूरी ताकत से खेल सकते हैं।

अब अहमद शहजाद ने पीसीबी को सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की निंदा रुकने का नाम नहीं ले रही है। इन्हीं निंदक की सूची में अहमद शहजाद का भी नाम जुड़ गया है। पाकिस्तान के घरेलू टूर्नामेंट से नाम वापस लेने वाले शहजाद ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को उनकी कार्यप्रणाली को लेकर घेरा और उनका खिलाड़ियों के प्रति रवैया नौकरों की तरह बताया है। पाकिस्तान क्रिकेट टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रही। बांग्लदेश से उन्हें पहले टेस्ट में घरेलू मैदान पर ही हार झेलनी पड़ी। अब जब पीसीबी घरेलू ढांचे में बदलाव करने की सोच रहा है, तब शाहजाद ने सामने आ रहे रुझानों पर अपना विरोध जाहिर किया है। पीसीबी ने फिलहाल चैंपियंस वन-डे कप के दौरान वकार यूनिस, शोएब मलिक, मिस्बाह-उल-हक, सरफराज अहमद और सकलैन मुश्ताक को टीमों के लिए मेंटर नियुक्त किया है। इसने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी के लिए पाकिस्तान के पांच पूर्व दिग्गजों को नियुक्त किया। वहीं, शहजाद ने पीसीबी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम की हालत ऐसी है कि पीसीबी को कुछ नामों की जरूरत है जो उनकी रक्षा के लिए सामने खड़े हो सकें। पाकिस्तान क्रिकेट टीम को जितना पैसा दिया जा रहा है, उतना ही उनका स्तर नीचे गिरता जा रहा है। कोई अनादर नहीं है लेकिन जैसे घरों में काम करने वाली नौकरानियां होती हैं और घर की महिलाएं थोड़ी-थोड़ी देर बाद गंदी जगहों के बारे में बताती हैं, वैसे ही पीसीबी का काम दिखता है। बहरहाल, शहजाद ने चैंपियंस वनडे कप से नाम वापस ले लिया है। उन्होंने लिखा, भारी मन से, मैंने घरेलू क्रिकेट चैंपियंस कप में नहीं खेलने का फैसला किया है। पीसीबी का पक्षपात, झूठे वादे और घरेलू खिलाड़ियों के प्रति अन्याय अस्वीकार्य है।

व्यापार

वैश्विक रुख और पीएमआई जैसे आंकड़े तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

डॉलर के मुकाबले रुपये में उतार-चढ़ाव भी बाजार को दिशा देंगे

नई दिल्ली। इस सप्ताह वैश्विक रुख, वृहत आर्थिक आंकड़ों की घोषणा और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां घरेलू शेयर बाजार की चाल तय करेंगी। बाजार के विश्लेषकों ने यह बता कही है। इसके अलावा वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में उतार-चढ़ाव भी बाजार की दिशा प्रभावित करेंगे। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि फेडरल ओपेन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की अगली बैठक सितंबर के मध्य में होनी है लेकिन उससे पहले बाजार की नजर अमेरिका के आर्थिक आंकड़ों पर होगी। विनिर्माण पीएमआई, गैर-कृषि रोजगार और बेरोजगारी के आंकड़े इस सप्ताह जारी होने हैं। ये सभी उल्लेखनीय रूप से बाजार धारणा को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि संस्थागत पूंजी प्रवाह भी बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। घरेलू बाजार में तेजी के पीछे प्राथमिक कारण अमेरिका में नीतिगत दर में कटौती की बढ़ती उम्मीद और घरेलू निवेशकों की लिवाली है। वाहन बिक्री आंकड़ों की घोषणा के बीच इन कंपनियों के शेयरों पर नजर होगी। उन्होंने कहा कि अनुमान लगाया जा रहा है कि शेयर केंद्रित कदम के साथ बाजार में तेजी का सिलसिला जारी रहेगा। सप्ताह के दौरान जारी होने वाले वैश्विक वृहत आर्थिक आंकड़ों से घरेलू बाजार को संकेत मिलना जारी रहेगा। एक वरिष्ठ बाजार विशेषज्ञ ने कहा कि व्यापक स्तर पर खरीद समर्थन से मानक सूचकांक नई ऊंचाई पर पहुंच गए। पिछले सप्ताह जैक्सन होल बैठक में मिले संकेत के बाद अगले महीने अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में कटौती की उम्मीद ने निवेशकों को अधिक आश्वस्त किया है। हालांकि, सतर्क रुख अपनाया जा सकता है और मुनाफावसूली देखने को मिल सकती है। इसका कारण, बाजार पिछले 12 कारोबारी सत्रों से चढ़ रहा है।

ब्राजील में एलन मस्क के एक्स प्लेटफॉर्म ने काम करना किया बंद

नई दिल्ली। ब्राजील में एलन मस्क के एक्स प्लेटफॉर्म ने काम करना बंद कर दिया है, अब ब्राजील यूजर्स एक्स सेवा का उपयोग नहीं कर पाएंगे। मोबाइल और वेब वर्जन दोनों पर सेवाएं बदं कर दी गई हैं। ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के आदेश एक्स प्लेटफॉर्म की सर्विस ब्राजील में एक्सपायर हो गईं। ब्राजील सुप्रीम कोर्ट और मस्क के बीच में लंबे समय से विवाद चल रहा था। ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस एलेक्जेंडर डि मोरियस ने पूरे देश में एक्स को बैन करने का आदेश जारी किया। ब्राजील में एक्स पर आरोप लग चुके हैं कि वह ब्राजील में तख्तापलट की खबरें व लोकतंत्र को कमजोर करने वाले कंटेंट को बढ़ावा दे रहे हैं। दरअसल ब्राजील के जस्टिस डि मोरियस ने बुधवार को मस्क इस एक्स कंपनी को ऑर्डर दिया कि वह 24 घंटे के अंदर एक कानूनी अधिकारी अपॉइंट करें, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इसके बाद ब्राजील के सुप्रीम फेडरल कोर्ट ने शुक्रवार को पूरे देश में एक्स को बैन करने का आदेश जारी किया और 18 मिलियन रियाल (लगभग 40 करोड़ रुपये) का जुर्माना भी लगाया। ब्राजील कोर्ट ने नेशनल टेलीकम्युनिकेशन एजेंसी को 24 घंटे के अंदर ब्लॉक करने का आदेश दिया। साथ ही एप्पल और गूगल को ऑनलाइन प्ले स्टोर्स से इस एक्स ऐप को हटाने का 5 दिन के अंदर आदेश दिया। मस्क ने इस पूरे मामले को लेकर पोस्ट किया और एक्स पर पोस्ट करके कहा कि ब्राजील के वर्तमान प्रशासन के तहत निवेश करना पागलपन है। जब नई लीडरशिप आएगी, तब इसमें बदलाव आएगा। कोर्ट के आदेश में आगे कहा कि बैन के बाद अगर कोई कंपनी या संस्था एक्स को चलाने के लिए वीपीएन आदि का इस्तेमाल करके चलाती है, तो उस पर 50 हजार रियाल (करीब 11 लाख रुपये) का जुर्माना लगाए जाने का आदेश है।

मोदी सरकार के फैसले से ..... अगस्त में तेल कंपनियों की मौज

नई दिल्ली। तेल कंपनियों के लिए अगस्त का महीना डबल राहत वाला रहा है। जहां मोदी सरकार ने देश में उत्पादित कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स 11.9 प्रतिशत घटाकर 1,850 रुपये प्रति टन कर दिया है, जो पहले 2,100 रुपये प्रति टन था। यह कटौती शनिवार से प्रभावी हो गई है। यह कर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क के रूप में लगाया जाता है। डीजल, पेट्रोल और जेट ईंधन या एटीएफ के निर्यात पर एसएईडी को 'शून्य' पर बरकरार रखा गया है।

इसके पहले मोदी सरकार ने 16 अगस्त को कच्चे तेल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) या विंडफॉल टैक्स को 54.3 प्रतिशत घटाकर 4,600 रुपये से 2,100 रुपये प्रति टन कर दिया गया था, जबकि डीजल और एटीएफ पर टैक्स को शून्य पर अपरिवर्तित छोड़ दिया गया था। इस तरह से अगस्त माह में दो बार में केंद्र सरकार ने करीब 60 प्रतिशत तक विंडफॉल टैक्स में कटौती की है। भारत ने पहली बार 1 जुलाई, 2022 को अप्रत्याशित लाभ पर कर लगाया और उन देशों में शामिल हो गया जो ऊर्जा कंपनियों के असाधारण मुनाफे पर कर लगाते हैं। पिछले दो सप्ताह में तेल की औसत कीमतों के आधार पर हर पखवाड़े कर दरों की समीक्षा की जाती है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में सप्ताहांत पर तेज गिरावट जारी रहने के बावजूद घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल के भाव रविवार को स्थिर हैं, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर है। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार देश में रविवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्तहांत पर अमेरिकी क्रूड 3.12 प्रतिशत की गिरावट लेकर 73.65 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड 1.43 प्रतिशत उतरकर 78.82 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर, डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर, डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपए प्रति लीटर, डीजल 92.34 रुपए प्रति लीटर और कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपए प्रति लीटर, डीजल 90.76 रुपए प्रति लीटर है।

एटीएफ 4,567.76 रुपये प्रति किलोलीटर तक सस्ता, नई दरें लागू

नई दिल्ली। सावर्जनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में 4,495.50 रुपये प्रति किलोलीटर (1000 लीटर) तक की कटौती की है। एटीएफ के दाम घटने से हवाई सफर सस्ता होने की संभावना है। नई दरें रविवार से लागू हो गई हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार देश की राजधानी नई दिल्ली में एटीएफ की कीमत 4,495.50 रुपये घटकर 97,975.72 रुपये प्रति किलोलीटर से 93,480.22 रुपए किलोलीटर हो गया है। मुंबई में एटीएफ 4,217.56 रुपये घटकर 91,650.34 रुपये प्रति किलोलीटर से 87,432.78 रुपये प्रति किलोलीटर हो गया है। वहीं, चेन्नई में एटीएफ 4,567.76 रुपये सस्ता होकर 97,064.32 रुपये प्रति किलोलीटर हो गया है। इसके अलावा कोलकाता में एटीएफ 4,222.44 रुपये कम होकर 1,00,520.88 रुपये प्रति किलोलीटर से 96,298.44 रुपये किलोलीटर हो गया है। गौरतलब है कि त्योहारी सीजन में हवाई ईंधन के दाम घटने से हवाई सफर सस्ता होने की उम्मीद है। एटीएफ की दरों का सीधा असर विमान किराये पर दिखता।

दर्द तेरा का वीडियो गाने की भावनात्मक गहराई को करता है पेश

मुंबई (ईएमएस)। दर्द तेरा का आधिकारिक वीडियो गाने की भावनात्मक गहराई को एक शानदार तरीके से पेश करता है। यह गाना निर्माता संजय बेडिया की नई पेशकश है जिसे अमन खान ने गाया है और दिलीप सैन व सनी ने इस गाने को तैयार किया है। जिसमें यशिका बसेरा मुख्य महिला कलाकार और लवप अथक पुरुष कलाकार हैं। इसे मुनीश कल्याण ने निर्देशित किया है, जिन्होंने हर फ्रेम को प्यार और दर्द की भावनाओं को जीवित करने के लिए खास तरीके से तैयार किया गया है। दर्द तेरा के सबसे खास पहलुओं में से एक इसके बोल हैं जिन्हें प्रतिभाशाली सलीम इदरीस ने लिखा है। ये शब्द खोए हुए प्यार के बाद होने वाले दर्द को व्यक्त करता है और अमन खान की शक्तिशाली आवाज उन्हें दिल को छू लेने वाली खूबसूरती के साथ जीवंत कर देती है। गाने का संगीत और रचना समान रूप से प्रभावशाली है। दिलीप सैन और सनी ने एक ऐसी धुन बनाई है जो दिल को छू लेने वाली के साथ-साथ बेहद खूबसूरत भी है। इंस्ट्रूमेंट्स का इस्तेमाल भले ही कम है लेकिन प्रभावी है जो स्वरों को प्रभावित किए बिना गाने में गहराई और भावना जोड़ता है। दर्द तेरा के पीछे की टीम संगीत में सहयोग की शक्ति का प्रमाण है। कार्यकारी निर्माता मुकेश बर्थवाल और आरिफ खान से लेकर निर्देशक मुनीश कल्याण, मेकअप आर्टिस्ट ईशान, कॉस्ट्यूम और स्टाइलिस्ट दर्शना कुमारी कल्याण, सहायक निर्देशक अरविंद कुमार, डॉप लेंसमैन और संपादक और निर्देशक गगन भामरा तक, हर व्यक्ति ने अपनी अनोखी प्रतिभा और विशेषज्ञता को कुछ खास बनाने के लिए सामने लाया गया है। बता दें कि संगीत की दुनिया में ऐसे बहुत कम गाने होते हैं जो प्यार और दिल के दर्द को इतनी खूबसूरती से बयां कर पाते हैं जितना कि दर्द तेरा करता है।

अनुष्का ने जिम का वीडियो शेयर कर लगाई आग

मुंबई। बालीवुड एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने अपने जिम का वीडियो शेयर किया जिसने सोशल मीडिया पर आग लगा दी। इंस्टाग्राम अकाउंट पर अभिनेत्री ने अपने जिम के कपड़ों का प्रदर्शन एक रील के माध्यम से किया। चंद सेकेंड के एक वीडियो में अनुष्का एक ब्लैक टैंक टॉप और इसी मैचिंग का शॉर्ट्स पहने नजर आ रही हैं। इसमें उन्होंने नीले रंग का एक जिपर और काले रंग का शार्ट भी पहना हुआ है। इसके अलावा इस वीडियो में आगे उन्हें सफेद टैंक टॉप के साथ इसी रंग का शार्ट्स भी पहने देखा जा सकता है। साथ ही उन्होंने सफेद स्कर्ट और सफेद मैचिंग टॉप में एक ग्रे जिपर भी पहना है।इंस्टाग्राम पर शेयर किए एक अन्य वीडियो में वह पेस्टल ब्लू टैंक टॉप के साथ टाइट शार्ट्स पहने हुई देखी जा सकती हैं। इस वीडियो के अंत में वह नीले रंग के लोउर के साथ भूरे रंग की फुल टी- शर्ट पहने हुए दिख रही हैं। उन्होंने इस पोस्ट को कैप्शन दिया है, यह ट्रेंड मेरे जिम के कपड़ों के साथ है जो मुझे पसंद है... क्या आपने आज वर्कआउट किया है? मेरे पोल में जवाब दें। उनके इस पोस्ट पर एक यूजर ने कमेंट किया, आपके हर डांस स्टेप और अलग मुस्कान ने इसे और भी शानदार बना दिया। एक दूसरे यूजर ने कहा, अनुष्का आप इन जिम के कपड़ों में सच में बहुत खूबसूरत दिख रही हो।अनुष्का के करियर की बात करें तो उन्होंने 2009 में जी टीवी के मशहूर शो यहां मैं घर-घर खेली से शुरुआत की थी। इसके अलावा उन्होंने धार्मिक शो देवों के देव... महादेव में पार्वती के बचपन का रोल भी निभाया था। इसके अलावा उन्होंने काल्पनिक शक्तियों पर आधारित शो बालवीर में मेहर का किरदार निभाया था। साथ ही अनुष्का ने खूब लड़ी मर्दानी- झांसी की रानी शो में मणिकर्णिका का किरदार भी निभाया था। इस युवा सनसनी ने फियर फैक्टर और खतरों के खिलाड़ी-11 में भी हिस्सा लिया था। खतरों के खिलाड़ी-11 सीजन का विनर अर्जुन बिजलानी को घोषित किया गया था। बता दें कि अनुष्का का यह वीडियो इंस्टाग्राम ट्रेंड्स में खूब वायरल हो रहा है। एक्ट्रेस के लगभग 4 करोड़ फॉलोअर्स है, जिन्हें यह वीडियो खूब पसंद आ रहा है।

महिला प्रधान फिल्में दिल जीतने में बहुत ही कम होती है कामयाब: प्रियंका चोपडा

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय एक्टर प्रियंका चोपडा ने बताया कि वह एक महिला प्रधान फिल्म के फ्लॉप होने पर कैसा महसूस करती हैं। प्रियंका ने कहा कि जब आप एक महिला प्रधान फिल्म में काम करते हैं और आप इसकी सफलता की उम्मीद कर रहे होते हैं तो ऐसे में आपके ऊपर बहुत प्रेशर हो जाता है। वैसे बहुत कम ही होता है कि कोई महिला प्रधान फिल्म लोगों का दिल जीतने में कामयाब न हो, लेकिन ऐसा हो भी जाता है तो मुझे ऐसा लगता है कि हम सभी महिलाए कुछ कदम पीछे चली गई हैं, या कहीं ना कहीं मैंने उन्हें पीछे कर दिया है। चाहे फिल्म चले ना चले, लेकिन हमें यह काम करना ही होगा, क्योंकि हममें से कुछ लोग ही हैं, जिन्हें ऐसा करने का मौका मिलता है। सफल नहीं हो रहा है तो उसे और अच्छे से करने की कोशिश की जाए। अब आपको यह मानना है कि हमें ऐसा काम करना है कि नारी जाति को निराशा नहीं हो क्योंकि हमारे पास बहुत कम मौके होते हैं। प्रियंका ने इससे पहले बातचीत के दौरान काम के बुरे दिनों से निपटने के बारे में चर्चा की। प्रियंका ने कहा कि मेरे पास भी हर किसी की तरह बुरे दिन होते हैं, लेकिन मैं खुद को याद दिलाती हूं कि मेरे पास जो कुछ भी है, वह मेरे लिए कितना सौभाग्य की बात है और मैं शिकायत करना बंद कर देती हूं और अपना काम करने लगती हूं। मैं अपनी भावनाओं को एक तरफ रख देती हूं और घर पहुंचने पर उनसे निपटती हूं। प्रियंका जल्द ही फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' में नजर आने वाली हैं, जिसमें जॉन सीना और इदरीस एल्बा भी अहम भूमिका में होंगे। बता दें कि प्रियंका चोपड़ा को आखिरी बार हॉलीवुड फिल्म 'लव अगेन' में सैम ह्यूगन के साथ रोमांस करते देखा गया था। प्रियंका अभी मुंबई फिल्म फेस्टिवल के लिए भारत में आई हुई हैं। वह इस साल के फेस्टिवल की चेयरपर्सन हैं। प्रियंका ने भूमि के साथ मिलकर महोत्सव में एक मास्टरक्लास ऑर्गेनाइज की।

आलिया को जावेद अख्तर ने इंडस्ट्री की बेहतरीन एक्ट्रेस बताया

एक्ट्रेस आलिया भट्ट इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'अल्फा' की शूटिंग में बिजी हैं। इस फिल्म से काफी लंबे समय पहले उनकी फिल्म 'जी ले जरा' की अनाउंसमेंट हुई थी। लेकिन अभी तक इस फिल्म की शूटिंग नहीं शुरू हो पाई है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान जोया अख्तर ने इसकी देरी के पीछे के कारणों का खुलासा किया। तो, वहीं जावेद अख्तर ने आलिया भट्ट को इंडस्ट्री की बेहतरीन एक्ट्रेसेस में से एक बताया। इंडियन एक्सप्रेस को दिए एक इंटरव्यू में जावेद अख्तर ने आलिया भट्ट के एक्टिंग की तारीफ की। उन्होंने आलिया भट्ट की फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' की तारीफ करते हुए उन्हें इंडस्ट्री की बेहतरीन एक्ट्रेसेस में से एक बताया। जावेद अख्तर ने कहा- मुझे लगता है कि वह बेहतरीन एक्ट्रेस हैं, लेकिन मैं कूटनीतिक हो रहा हूं ताकि और एक्ट्रेसेस नाराज न हों। इंटरव्यू के दौरान फिल्म 'जी ले जरा' को प्रोड्यूस करनी वाली जोया अख्तर ने इस फिल्म के देरी के पीछे के कारणों का खुलासा किया। जोया अख्तर ने कहा- फिल्म में आलिया भट्ट, प्रियंका चोपड़ा और कैटरीना कैफ एक साथ काम कर रही हैं। सभी अपने-अपने प्रोजेक्ट्स में बिजी चल रही हैं। तीनों का डेट एक साथ एडजस्ट नहीं हो पर रहा है। जैसे ही तीनों का डेट एक साथ एडजस्ट होगा फिल्म की शूटिंग शुरू कर देंगे। फरहान अख्तर उनकी डेट्स को एडजस्ट करने में लगे हैं। आलिया भट्ट के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनकी फिल्म 'जिगरा' 11 अक्टूबर को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म की कहानी एक बास्केटबॉल खिलाड़ी के इर्द-गिर्द बुनी गई है। वहीं, यशराज फिल्म्स की बहुप्रतीक्षित स्पाई यूनिवर्स फिल्म 'अल्फा' की शूटिंग इन दिनों कश्मीर में कर रही हैं।

सिद्धार्थ ने घुटनों के बल बैठकर अदिति को प्रपोज किया

एक्ट्रेस बोलीं- पहले मुझे यह मजाक लगा था; इसी साल हुई है सगाई

अदिति राव हैदरी ने बताया कि जब सिद्धार्थ ने उन्हें सच में शादी के लिए प्रपोज किया था, तो उन्हें विश्वास नहीं हुआ था। दरअसल, इससे पहले सिद्धार्थ हर बार प्रपोजल के नाम पर एक्ट्रेस को बेवकूफ बना देते थे। वे हर बार घुटनों के बल बैठकर जूतों के फीते बांधने लगते थे। वोग को दिए इंटरव्यू में अदिति ने कहा, 'मैं अपनी नानी के बहुत करीब थी, जिनका कुछ समय पहले ही निधन हो गया था। उन्होंने हैदराबाद में एक स्कूल शुरू किया था। एक दिन सिद्धार्थ ने मुझसे पूछा कि क्या वे इसे देख सकते हैं? वे यह जानते थे कि मैं नानी से कितनी क्लोज थी। वहां वे घुटनों के बल बैठ गए। तब मैंने उनसे पूछा कि आपने अब क्या खो दिया है? किसके जूते के फीते खुले हैं? फिर सिद्धार्थ ने मुझे प्रपोज कर दिया। वे मेरे बचपन की पसंदीदा जगह पर मुझे लाना चाहते थे और दादी का आशीर्वाद लेना चाहते थे।' अदिति और सिद्धार्थ ने इसी साल मार्च में सगाई की है। 2021 में फिल्म सेट पर हुई थी अदिति और सिद्धार्थ की मुलाकात- अदिति ने सिद्धार्थ के साथ अपनी पहली मुलाकात का भी किस्सा शेयर किया। उन्होंने बताया कि दोनों की पहली मुलाकात 2021 की फिल्म महा समुद्रम के सेट पर हुई थी। एक्ट्रेस ने कहा, 'वे अंदर आए और बोले- हैलो सुंदर लड़की। आमतौर पर जब कोई ऐसी बातें कहता है, तो यह काम नहीं करता है। लेकिन यह सच था। दिन के खत्म होने तक उन्होंने मुझे और सेट पर मौजूद लगभग सभी लोगों को हंसा दिया।' सिद्धार्थ ने बॉलीवुड की फेमस फिल्मों जैसे रंग दे बसंती और चश्मेबद्दूर में काम किया है। अदिति राव हैदरी साउथ के साथ हिंदी फिल्मों की भी जानी-मानी एक्ट्रेस हैं। उन्होंने पद्मावत, बॉस, रॉकस्टार और मर्डर-3 जैसी फिल्मों में काम किया है।

यौन उत्पीड़न की जांच के लिए बंगाली सिनेमा में भी समिति गठित करे: रीताभरी

मुंबई। सोशल मीडिया के माध्यम से बंगाली एक्ट्रेस रीताभरी चक्रवर्ती ने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से अनुरोध किया है कि बंगाली सिनेमा में भी हेमा कमीशन जैसी एक समिति गठित की जाए। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट में लिखा, मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में हेमा कमीशन की रिपोर्ट के बाद यौन हिंसा के मामलों के खुलासे हुए हैं। इस पर गौर करते हुए मैं सोच रही हूं कि बंगाली फिल्म इंडस्ट्री में भी ऐसी जांच क्यों नहीं की जा सकती? उन्होंने अपनी पोस्ट में यह भी उल्लेख किया कि कई ऐसे निर्देशक और निर्माता हैं जिनके खिलाफ गंभीर आरोप हैं, लेकिन वे सजा से बच जाते हैं और कई बार तो सार्वजनिक रूप से समर्थन का दिखावा भी करते हैं। रीताभरी ने अपनी साथी कलाकारों से अपील की कि वे इन आरोपियों के खिलाफ आवाज उठाएं, भले ही इस प्रक्रिया में उन्हें डर या काम की कमी का सामना करना पड़े। क्या हमें युवा अभिनेत्रियों के प्रति कोई जिम्मेदारी नहीं है? रीताभरी ने पोस्ट के अंत में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को टैग करते हुए लिखा कि वे ऐसी ही एक जांच, रिपोर्ट और आवश्यक बदलाव की उम्मीद करती हैं। हेमा कमेटी की रिपोर्ट के प्रकाशन के बाद मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में भी बदलाव देखे जा रहे हैं। केरल पुलिस ने हाल ही में निर्देशक रंजीत के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इसके अलावा, सिद्दीकी और मोहनलाल जैसे प्रमुख कलाकारों ने भी इस्तीफा दे दिया है, और कलाकारों की संस्था एएमएमए की कार्यकारी समिति को भंग कर दिया गया है। रीताभरी चक्रवर्ती, जो कि बंगाली सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस हैं और हिंदी फिल्मों में भी अपनी छाप छोड़ चुकी हैं, ने इस मुद्दे पर अपने विचार साझा किए हैं। उनके पोस्ट ने बंगाली सिनेमा में यौन उत्पीड़न की गंभीरता को उजागर किया है और एक व्यापक जांच की मांग को बल प्रदान किया है। बता दें कि कोलकाता में हाल ही में जूनियर डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या का मामला सुर्खियों में है। इस विवाद के बीच मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न के मामले भी उजागर हुए हैं।